छ.ग. राज्य विद्युत कम्पनी मर्या. की गृह पत्रिका

संकल्प

सितंबर-अक्टूबर 2019 ■ वर्ष-16

स्वच्छ भारत
एक कदम स्वच्छता की ओर

EYE ON DEVELOPMENT OF CHHATTISGARH

छ.ग. राज्य विद्युत कम्पनी मर्या. की गृह पत्रिका

संकल्प

सितंबर-अक्टूबर 2019 ■ वर्ष-16

संरक्षक

श्री शैलेन्द्र कुमार शुक्ला
अध्यक्ष

श्री मो. कैसर अब्दुलहक (IAS)
प्रबंध निदेशक (डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी)

श्रीमती तृप्ति सिन्हा
प्रबंध निदेशक (ट्रांसमिशन कंपनी)

श्री के रामचंद्र मूर्ति
प्रबंध निदेशक (जनरेशन कंपनी)

संपादक : संकल्प
विजय कुमार मिश्रा
अतिरिक्त महाप्रबंधक (जनसंपर्क)
छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर होल्डिंग कं. मर्या., इंगनिया, रायपुर, छत्तीसगढ़
e-mail : vijay.mishra361@gmail.com

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनी मर्यादित

प्रदेश में विद्युत प्रगति का पटल

	नवंबर 2000	अक्टूबर 2019
ताप विद्युत क्षमता	1240 मेगावॉट	3080 मेगावॉट
जल विद्युत क्षमता	120 मेगावॉट	138.70 मेगावॉट
कुल ताप, जल विद्युत क्षमता	1360 मेगावॉट	3224.70 मेगावॉट
क्षमता वृद्धि	---	1864.70 मेगावॉट
अति उच्चदाब उपकेंद्रों की संख्या	27 नग	120 नग
अति उच्चदाब लाइनों की लंबाई	5205 सर्किट कि.मी.	12610 सर्किट कि.मी.
केपेसिटर स्थापित क्षमता	94 एमव्हीएआर	1085 एमव्हीएआर
33/11 केव्ही उपकेंद्रों की संख्या	248 नग	1270 नग
33 केव्ही लाइनों की लंबाई	6988 सर्किट कि.मी.	22301 स. कि.मी.
11/04 केव्ही उपकेंद्रों की संख्या	29692 नग	173256 नग
11 केव्ही लाइनों की लंबाई	40556 कि.मी.	112112 कि.मी.
निम्नदाब लाइनों की लंबाई	51314 कि.मी.	190856 कि.मी.
विद्युतीकृत मजराटोलों की संख्या	10375	37926
विद्युतीकृत पंपों की संख्या*	73369	424532
एकलबत्ती कनेक्शन की संख्या*	630389	2014731

*प्रावधिक

छायाकार : संजय टेम्भे

सहयोग : जाबिर मोहम्मद कुरैशी

पॉवर कंपनी मुख्यालय में ई-कार चार्जिंग स्टेशन का शुभारंभ

ईको फ्रेंडली वाहन होगा प्रदूषण मुक्त एवं सस्ता-चेयरमेन श्री शुक्ला

छत्तीसगढ़ राज्य शासन के हरियर छत्तीसगढ़ अभियान को साकार करने की दिशा में छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनीज द्वारा कारगर पहल की गई है। इसके अन्तर्गत पॉवर कंपनीज द्वारा पहली बार ई-व्हीकल का उपयोग करने के लिए भारत सरकार के सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी इनर्जी एफिशिएंसी लिमिटेड (ईईएसएल) के साथ अनुबंध किया गया। जिसके तहत् प्रदत्त बैटरी चलित कार को चार्जिंग करने के लिये कंपनी मुख्यालय विद्युत सेवाभवन डंगनिया के प्रागंण में नवनिर्मित ई-कार चार्जिंग स्टेशन का शुभारंभ 16 अक्टूबर को पॉवर कंपनीज चेयरमेन श्री शैलेन्द्र शुक्ला ने किया।

इस अवसर पर श्री शुक्ला ने पर्यावरण हितैषी कार्यों को बढ़ावा देने का आव्हान किया। उन्होंने कहा कि ई-व्हीकल का उपयोग प्रदूषण नियंत्रण के साथ आर्थिक दृष्टि से भी लाभकारी सिद्ध होगा। इलेक्ट्रिक वाहन पूर्णतः इको-फ्रेंडली तथा सुरक्षा मानकों की दृष्टि से उत्कृष्ट हैं इनका परिचालन व्यय एवं रखरखाव व्यय परंपरागत कारों से काफी कम है।

ई-कार चार्जिंग स्टेशन के शुभारंभ समारोह में ट्रांसमिशन कंपनी की एमडी श्रीमती तृप्ति सिन्हा, जनरेशन कंपनी के एमडी श्री के.आर.सी. मूर्ति सहित डायरेक्टर सर्वश्री जी.सी.मुखर्जी, एच.आर. नरवरे, ओ.सी. कपिला एवं अन्य अधिकारी-कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित थे। कार्यक्रम के संयोजक महाप्रबंधक (मानव संसाधन) श्री एच.के. पाण्डेय तथा एजीएम श्री ए.के. सतसंगी ने समारोह में उपस्थित विशिष्टजनों का स्वागत किया।

75 करोड़ की लागत से निर्मित ईएचटी उपकेंद्र उर्जीकृत

छत्तीसगढ़ स्टेट पावर ट्रांसमिशन कंपनी व्दारा नारायणपुर जिला मुख्यालय से लगभग 10 किमी दूरी पर स्थित नेलवाड़ में 75 करोड़ की लागत से निर्मित 220 x 132 x 33 केव्ही उपकेंद्र को 19 सितम्बर को ऊर्जित किया गया। इस उपकेंद्र की क्षमता 200 एमवीए है। यह उपकेंद्र वनांचल को सुदृढ़ विद्युत आपूर्ति करने के साथ ही प्रस्तावित जगदलपुर - कोंडागांव - नारायणपुर - रावघाट - भानुप्रतापपुर रेलवे लाइन के लिए भी उपयोगी होगा।

मान. मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल जी के निर्देशानुसार बस्तर वनांचल की विद्युत व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के लिये अनेक नये कार्य हाथ में लिये गये जिसमें यह उपकेन्द्र भी शामिल था। इस नये उपकेंद्र के ऊर्जीकृत होने के उपरांत प्रदेश में अब 220 x 132 केव्ही उपकेंद्रों की संख्या 25 हो गई है। जबकि राज्य गठन के समय इस क्षमता के केवल पांच उपकेंद्र ही थे। इस उपकेन्द्र के निर्माण में अनके चुनौतियों का सामना ट्रांसमिशन कंपनी के अधिकारियों-कर्मचारियों को करना पड़ा। एमडी (ट्रांसमिशन) श्रीमती तृप्ति सिन्हा एवं कंपनी के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने अपनी लगन एवं प्रयास व्दारा इस उपकेंद्र को सफलतापूर्वक उर्जीकृत किया।

नारायणपुर 220 x 132 x 33 केव्ही उपकेंद्र की स्थापना से पूर्व आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र के उपभोक्ताओं को 132 x 33 केव्ही मसौरा (कोंडागांव) उपकेंद्र से विद्युत आपूर्ति की जाती थी, जिसके लिए लगभग 50 किमी 33 केव्ही लाइन घने जंगलों से होते हुए नारायणपुर तक जाती थी। जिससे लो-वोल्टेज की समस्याओं का सामना कृषि कार्य में प्रयुक्त पंपों को करना पड़ता था।

अब भविष्य में इस क्षेत्र के उपभोक्ताओं को गुणवत्तापूर्ण सतत् विद्युत आपूर्ति हो सकेगी। इससे दूरस्थ अंचलों में बसने वाले परिवारों के जीवन-स्तर में सुधार के साथ-साथ अनुकूल आर्थिक एवं सामाजिक परिवर्तन परिलक्षित होंगे। 220 x 132 x 33 केव्ही उपकेंद्र नारायणपुर के निर्माण से ओरछा, कोंडागांव, माकड़ी, कटे कल्याण, बेनूर, छोटे डोंगर, कुंडला, काकाबेड़ा आदि के लगभग 125 गांव एवं उसके आसपास के क्षेत्र लाभान्वित होंगे एवं चहुमुखी विकास का मार्ग प्रशस्त होगा।

गरीबी रेखा के नीचे जीवन-यापन करने वाले को
निःशुल्क एकलबत्ती कनेक्शन सुविधा
30 यूनिट प्रतिमाह प्रति कनेक्शन मुफ्त
कुल हितग्राही 19.8 लाख
अधिक खपत करने पर बिजली बिल हाफ योजनांतर्गत छूट
वर्ष 2019-20 में अनुमानित सब्सिडी 422 करोड़

साजा संभागीय कार्यालय भवन का लोकार्पण

दुर्ग क्षेत्र के अंतर्गत संचारण/संधारण संभाग साजा मुख्यालय में नवनिर्मित संभागीय कार्यालय भवन का लोकार्पण 17 सितंबर को छत्तीसगढ़ शासन के कृषि एवं जल संसाधन मंत्री श्री रविन्द्र चौबे के करकमलों से संपन्न हुआ। उन्होंने विद्युत कर्मियों के कार्यों की प्रशंसा करते हुए कहा कि दिन हो या रात विद्युत कर्मी हमेशा मैदान में डटे रहते हैं। विद्युत संबंधी समस्याओं का त्वरित निराकरण करने के लिए समस्त अधिकारी एवं कर्मचारी प्रशंसा के पात्र हैं, मैं उम्मीद करता हूं कि भविष्य में विद्युत संबंधी समस्याओं का निराकरण और भी त्वरित गति से होगा।

इसी क्रम में कार्यपालक निदेशक श्री अशोक कुमार ने कहा कि नये भवन में नई ऊर्जा एवं नए उत्साह के साथ अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपभोक्ताओं के हित में बेहतर कार्य निष्पादन कर सकेंगे। क्षेत्र की विद्युत व्यवस्था सुदृढ़ करने के लिए माननीय कृषि मंत्री जी के मार्गदर्शन में हांटरांका में 33/11 के.व्ही. उपकेंद्र का निर्माण लगभग दो करोड़ की लागत से किया गया, जिससे 15 ग्राम लाभान्वित हुए। उन्होंने बताया कि 33/11 कें. व्ही. उपकेंद्र कोदवा एवं खैरझीटी में पॉवर ट्रांसफार्मरों की क्षमता वृद्धि की जा चुकी है। लगभग 48 लाख रुपए की लागत से निर्मित संभागीय कार्यालय के लोकार्पण समारोह में अध्यक्ष नगर पंचायत, साजा श्री मनोज जायसवाल, अध्यक्ष जिला पंचायत, बेमेतरा श्रीमती कविता साहू, अध्यक्ष ब्लॉक कांग्रेस कमेटी साजा श्री संतोष वर्मा, जिला पंचायत सदस्य बेमेतरा श्रीमती मीना राजेश चंदेल सहित अन्य माननीय जन प्रतिनिधि सहित पॉवर कंपनी के अधिकारी-कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में सम्मानीय नागरिक उपस्थित थे।

भाटापारा उपकेन्द्र में 160 एमव्हीए क्षमता का ट्रांसफार्मर ऊर्जीकृत

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी द्वारा भाटापारा उपकेन्द्र में 160 एमव्हीए क्षमता का ट्रांसफार्मर ऊर्जीकृत किया गया। ऐसे कार्यों के विस्तार फलस्वरूप कंपनी की ट्रांसमिशन क्षमता 8625 एमव्हीए से बढ़कर 8660 एमव्हीए हो गई है। कंपनी की सुनियोजित योजना के तहत बलौदाबाजार, सिमगा, कसडोल, भाटापारा एवं आसपास के क्षेत्रों को गुणवत्तापूर्ण विद्युत आपूर्ति करने हेतु 220/132/33 के.व्ही. भाटापारा उपकेन्द्र में 160 एमव्हीए क्षमता का ट्रांसफार्मर 03 अक्टूबर को ऊर्जीकृत किया गया। लगभग 6.6 करोड़ रुपए की लागत से स्थापित इस ट्रांसफार्मर को शामिल कर उक्त उपकेन्द्र में तीन अतिउच्चदाब ट्रांसफार्मर्स की स्थापना हो गई तथा ट्रांसफार्मर के स्थापित होने से भाटापारा उपकेंद्र की क्षमता 285 एमव्हीए से बढ़कर 445 एमव्हीए हो गई है।

नये ट्रांसफार्मर के ऊर्जित होने से इस उपकेंद्र में तीन ट्रांसफार्मर हो गए हैं जिससे किसी एक ट्रांसफार्मर में व्यवधान होने पर संपूर्ण भार अन्य दो ट्रांसफार्मर पर लिया जा सकेगा तथा 132 केव्ही उपकेन्द्र बलौदाबाजार, सिमगा एवं 132 केव्ही उपकेन्द्र कसडोल में व्यवधान रहित विद्युत आपूर्ति की जा सकेगी। इस व्यवस्था से भाटापारा-बलौदाबाजार के आस-पास के क्षेत्र में स्थापित सीमेंट उद्योग एवं घरेलू उपभोक्ता भी लाभांवित होंगे।

प्रदेश के शहरी अभियंताओं के कार्यों की समीक्षा बैठक

छतीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री मोहम्मद कैसर अब्दुल हक(आई.ए.एस.) ने 18 सितम्बर को मैदानी अधिकारियों की एक समीक्षा बैठक ली। बैठक में उपस्थित अधिकारियों को उन्होंने कहा कि विद्युत उपभोक्ता सेवा में सुधार और लाइन लॉस कम करने के लिए और अधिक प्रयास करने की आवश्यकता है। उन्होंने मैदानी अधिकारियों को मीटर रीडिंग तथा बकाया बिल की वसूली के लिए नियमति अभियान चलाने के निर्देश दिए।

समीक्षा बैठक को संबोधित करते श्री हक ने बताया कि उपभोक्ताओं को सुचारू तथा गुणवत्तापूर्ण विद्युत सेवा सुनिश्चित करने के लिए हर स्तर पर प्रयास किए जा रहे हैं। इस कड़ी में अनुविभागीय स्तर पर अधिकारियों के दायित्व तय किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि उपभोक्ताओं को बेहतर विद्युत सेवा उपलब्ध कराने में हमारे मैदानी अमले की भूमिका अहम होती है। ऐसे में मैदानी अधिकारियों को अधिक जिम्मेदारी और समन्वय के साथ काम करने की आवश्यकता है। उन्होंने वितरण हानि कम करने के लिए जरूरी उपाए करने तथा वितरण प्रणाली की देखरेख में सतत सक्रियता के निर्देश दिए।

उन्होंने बकाया बिजली बिल की वसूली में सबके साथ समान व्यवहार करने तथा बिजली कनेक्शन विच्छेदन की कार्रवाई लगातार जारी रखने के निर्देश दिए। बैठक के दौरान उन्होंने अधिकारियों को हो रही कठिनाइयों की जानकारी ली तथा संबंधित अधिकारियों को इन्हें जल्द दूर करने के निर्देश दिए। एमडी श्री हक ने अधिकारियों से आम नागरिकों की विद्युत संबंधी शिकायतों को गंभीरता से लेने तथा संवाद और संपर्क के लिए हमेशा उपलब्ध रहने के निर्देश भी दिए।

समीक्षा बैठक के दौरान वितरण कंपनी के निदेशक श्री एच.आर.नरवरे ने भी अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। बैठक में मुख्य अभियंता (संचारण एवं संधारण) श्री बजरंगी मिश्रा समेत प्रदेश के शहरी क्षेत्रों के सहायक अभियंता मौजूद थे।

117 करोड़ की लागत से निर्मित 220/132 केव्ही उपकेन्द्र उर्जीकृत

36 सर्किट किलोमीटर नई ट्रांसमिशन लाईन का निर्माण

छत्तीसगढ़ स्टेट ट्रांसमिशन कंपनी द्वारा नवनिर्मित 220/132 केव्ही उपकेन्द्र धरदेही (मुंगेली) को 26 सितम्बर को ऊर्जीकृत किया गया। लगभग 41 करोड़ रूपये की लागत से निर्मित इस उपकेन्द्र की क्षमता 320 एमव्हीए है। इस उपकेंद्र की क्रियाशीलता पर को ट्रांसमिशन कंपनी की एमडी श्रीमती तृप्ति सिन्हा ने अधिकारियों/कर्मचारियों को बधाई दी।

220/132 के.व्ही. धरदेही (जिला मुंगेली) उपकेंद्र को ऊर्जीकृत करने के लिए लगभग 71 करोड़ रूपए की लागत से 220 केव्ही मोपका-सिलतरा एवं मोपका-भाटापारा लिलो लाईन (32 किमी) तथा 5.0 करोड़ की लागत से 132 केव्ही पथरिया-धरदेही (4 किमी) ट्रांसमिशन लाईन का निर्माण किया गया है। इस नवनिर्मित उपकेंद्र के ऊर्जीकृत हो जाने से अब भविष्य में पथरिया एवं बिलासपुर क्षेत्र के उपभोक्ताओं को गुणवत्तापूर्ण विद्युत आपूर्ति हो सकेगी। इस उपकेंद्र के निर्माण से पथरिया, बावली, कुकुसदा, अड़र, सरगांव, तिफरा, बिलासपुर, चकरभाटा आदि क्षेत्रों के उपभोक्ता लाभान्वित होंगे।

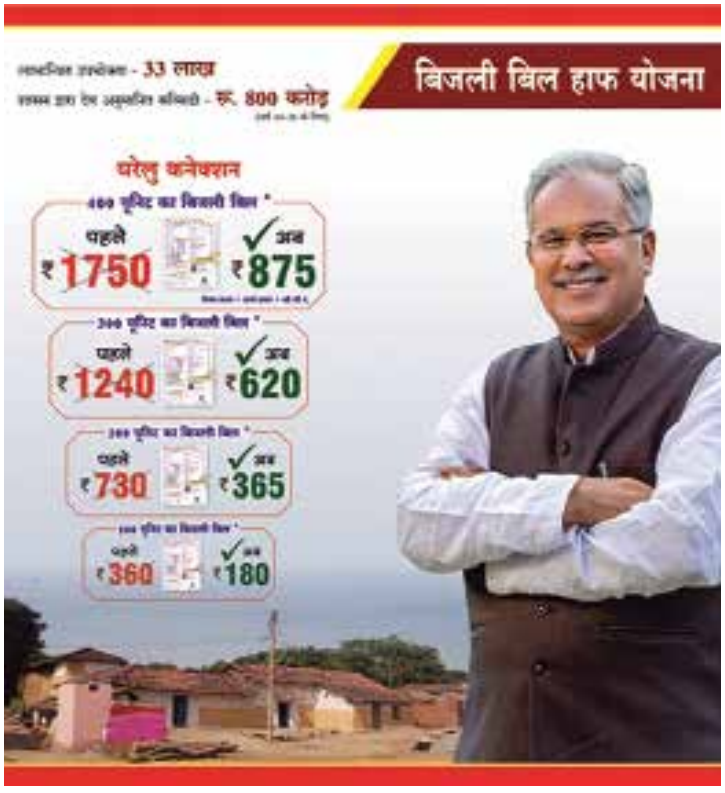

ईडी श्री वानखेड़े एवं सीई श्री रत्नम सहित अन्य कर्मियों की भावभीनी विदाई

छत्तीसगढ़ स्टेट पावर कंपनीज से 31 अक्टूबर को सेवानिवृत्त हुए कार्यपालक निदेशक श्री वामन राव वानखेड़े, मुख्य अभियंता श्री मधुसुदन रत्नम सहित अन्य सेवानिवृत्त हुए सर्वश्री योगेश कुमार बाजपेयी, हरीष कुमार ठक्कर, थनवार सिंह वर्मा, आरतीदास मानिकपुरी, मिश्रीलाल साहू को कंपनी मुख्यालय में भावभीनी विदाई दी गई। डंगनिया स्थित विद्युत सेवा भवन एवं भार प्रेषण केंद्र के सभाकक्ष में आयोजित विदाई समारोह में सेवानिवृतजनों को कंपनीज के चैयरमेन श्री शैलेन्द्र शुक्ला, एम.डी.(ट्रांसमिशन) श्रीमती तृप्ति सिन्हा, प्रबंध निदेशक (जनरेशन) श्री के.आर.सी.मूर्ति ने स्मृति चिन्ह, प्रशस्ति पत्र भेंट कर सुखमय जीवन की कामना की। इस अवसर पर पॉवर कंपनीज के डायरेक्टर सर्वश्री जी.सी. मुखर्जी, एचआर नरवरे, ओ.सी. कपिला, मुख्य अभियंता (मानव संसाधन) रवीन्द्र पाठक सहित अन्य उच्चाधिकारियों ने सेवानिवृत्तजनों का स्वागत-अभिनंदन किया।

विदाई समारोह में चैयरमेन श्री शुक्ला ने कहा कि सेवानिवृत होने वाले अधिकारी अपने जीवन का 30-35 साल ऊर्जा विकास में देते है। इतने लंबे अवधि तक एक फील्ड में कार्य करने से वे इस कार्य में विशेषज्ञ हो जाते है। वे अपने अनुभव पर किताब लिखे यह अन्य सेवारत कर्मियों के लिये मार्गदर्शक सिद्ध होगा। एमडी श्रीमती तृप्ति सिन्हा ने कहा कि विद्युत कंपनी अपने निष्ठावान अधिकारियों की मेहनत से नये कीर्तिमान रच रही हैं। इसी क्रम में एमडी श्री मूर्ति ने कहा कि हमारे सेवानिवृत्त अधिकारियों ने समर्पित भाव से सारे दायित्वों का निर्वहन किया जिससे ऊर्जा विभाग की अलग पहचान बनी है।

इस अवसर पर श्री वानखेड़े एवं श्री रत्नम ने अपने अनुभव व्यक्त करते हुए कंपनी के विकास की कामना की एवं सेवायात्रा के दौरान अधिकारियों-कर्मचारियों से मिले सहयोग के लिये आभार व्यक्त किया। समारोह में आभार प्रदर्शन अतिरिक्त मुख्य अभियंता श्री आरके श्रीवास्तव एवं संचालन अतिरिक्त महाप्रबंधक (जनसंपर्क) श्री विजय मिश्रा एवं सहायक प्रकाशन अधिकारी श्री गोविन्द पटेल ने किया।

बिजली बिल भुगतान की सुविधा

- बिजली बिल भुगतान की सुविधा
- बिजली ऑफिस
- एटीपी मशीन
- कॉमन सर्विस सेंटर्स / सी.एस.सी.
- मोर बिजली एप
- पे प्वाइंट
- भीम/पेटीएम/गूगल पे/फोन पे
- भारत बिल पे
- बैंकों के माध्यम से ईसीएस
- बैंक आरटीजीएस

वेबसाइट www.cspdcl.co.in

राजनांदगांव में विदाई समारोह

राजनांदगांव क्षेत्र में कार्यपालन अभियंता श्री वी. के. महालया एवं सहायक अभियंता श्री आर.पी.चंदेल की सेवानिवृत्ति पर कार्यपालक निदेशक श्री संजय पटेल द्वारा स्मृति चिन्ह, उपहार एवं प्रमाण पत्र प्रदान कर भावभीनी विदाई दी गई। इस अवसर पर श्री पटेल ने कहा कि पॉवर कंपनी की उतरोत्तर प्रगति लगनशील अधिकारियों एवं कर्मचारियों के निरन्तर सेवाओं का प्रतिफल है। इनकी कार्यशैली को आत्मसात कर अन्य कर्मियों को कंपनी के हित में बेहतर कार्यकरने संकल्पित होना चाहिए। इस अवसर पर अतिरिक्त मुख्य अभियंता श्री टी.के. मेश्राम, अधीक्षण अभियंता सर्वश्री अविनाश सोनेकर, आर. एन याहके, मंगल तिर्की, कार्यपालन अभियंता श्रीमती एम. नागवंशी, श्री ए.के. बिजौरा, श्री व्ही.आर.के.मूर्ति सहित

अन्य अधिकारी-कर्मचारीगण उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन कल्याण अधिकारी श्री अशोक पिल्लई द्वारा किया गया।

छत्तीसगढ़ पॉवर जनरेशन कंपनी के ''पॉवर एप'' का शुभारंभ

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर जनरेशन कंपनी द्वारा कार्यालयीन कार्यों सहित विद्युत इकाईयों के संचालन हेतु अत्याधुनिक प्रणालियों का अधिकाधिक उपयोग किया जा रहा है। इस दिशा में आगे बढ़ते हुये कंपनी द्वारा "सी. एस.पी.जी.सी.एल. पॉवर एप" निर्मित किया गया। इस बहुपयोगी एप का शुभारंभ जनरेशन कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री के.आर. सी. मूर्ति द्वारा 31 अक्टूबर 19 को सेवाभवन में किया गया।

प्रबंध निदेशक श्री मूर्ति ने कार्यपालक निदेशक श्री एन.के. बिजौरा सहित इस एप को तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले ओ.एण्ड.एम. जनरेशन के अधीन कार्यरत एम.आई.एस.- आईटी सेल के अधिकारियों/कर्मचारियों को बधाई दी। साथ ही भविष्य में इसे और उपयोगी बनाने के लिये प्रेरित किया। विदित हो कि जनरेशन कंपनी की अद्यतन जानकारी, विद्युत की मॉग, प्रचलित यू.आई. रेट, विद्युत इकाईयों/केन्द्रों में विद्युत उत्पादन, प्लांट लोड फेक्टर, प्रमुख पारेषण प्रणालियों सहित ट्रांसफार्मर के लोड, दैनिक प्रगति प्रतिवेदन, महत्वपूर्ण बैठकों की सूचना आदि की जानकारी इस एप के माध्यम से प्राप्त की जा सकेगी।

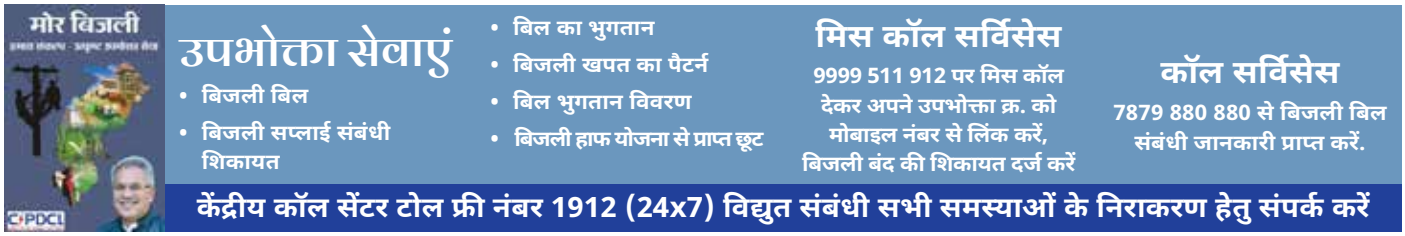

विद्युत देयकों में "बिजली बिल हाफ योजना" का प्रकाशन आरंभ

प्रदेश के घरेलू बिजली उपभोक्ताओं के हित में छत्तीसगढ़ राज्य शासन द्वारा बिजली बिल हाफ योजना का लाभ दिया जा रहा है। इससे घरेलू उपभोक्ताओं को खपत की गई कुल बिजली में से प्रथम 400 यूनिट तक की बिजली का भुगतान हाफ रेट पर करनी की छूट मिलने लगी है। प्रदेश इतिहास में पहली बार प्रारंभ की गई इस योजना का लाभ ले रहे उपभोक्ताओं के बिजली बिल में दी गई छूट को भी अंकित करने की पहल की गई है। स्पॉट बिलिंग कन्जूमर के अलावा अन्य ऐसे विद्युत उपभोक्ता जिन्हें कंप्यूटराईज्ड बिल दिये जाते हैं, उनके बिल में राज्य शासन द्वारा प्रारंभ की गई बिजली बिल हाफ योजना का भी प्रकाशन प्रमुखता से किया जा रहा है, ताकि अधिकाधिक घरेलू उपभोक्ता इस योजना का लाभ ले सकें। कंपनी की योजनाओं को एस.एम.एस. के माध्यम से रजिस्टर्ड उपभोक्ताओं के मोबाईल नंबर पर प्रेषित करने की भी पहल की गई है।

सरकार की हॉफ बिजली बिल योजना से 32 लाख से अधिक उपभोक्ता लाभांवित हुए हैं। प्रदेश में करीब 46 लाख घरेलू उपभोक्ता हैं, जिन्हें राज्य शासन की इस योजना का लाभ देने की पहल की गई है, किन्तु ऐसे उपभोक्ता जिनके ऊपर किसी भी प्रकार की बकाया राशि है वे इस योजना के हकदार नहीं हैं। अतः ऐसे उपभोक्ताओं से जनहितैषी इस योजना का लाभ लेने के लिये यथाशीघ्र विद्युत देयकों का भुगतान करने की अपील पॉवर कंपनी प्रबंधन द्वारा की गई है। प्रदेशभर में बकाया राशि वसूली अभियान भी चलाया गया है, अतः उपभोक्तागण बकाया राशि का भुगतान कर विद्युत विच्छेदन, जुर्माना जैसी परेशानियों से बचने के अलावा हाफ बिजली बिल योजना का लाभ भी सहज प्राप्त कर सकते हैं।

पॉवर कंपनी द्वारा उपभोक्ताओं की समस्याओं के त्वरित निराकरण, अवरोध की सूचना, विद्युत देयकों के भुगतान एवं उपभोक्ता हितैषी योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने के लिये पॉवर कंपनी द्वारा उपभोक्ताओं के मोबाईल नंबर को रजिस्टर्ड करने की भी अभिनव पहल की गई है। इससे अब तक 11 लाख से अधिक मोबाईल नंबर संग्रहित कर उपभोक्ता सेवा क्रमांक से जोड़ दिया गया है। उपभोक्तागण मिस्ड कॉल सेवा के मोबाईल नंबर 7879255255 पर मिस्डकॉल करके अपना नंबर रजिस्टर्ड करा सकते हैं।

पॉलिथीन का त्याग कर कपड़े का थैला अपनायें

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनीज द्वारा विद्युत विकास के साथ साथ प्रदेश को प्रदूषणमुक्त बनाने के लिये विविध कार्य किये जा रहे हैं। कंपनी द्वारा पेड़ पौधे लगाने के अलावा आमजनों के बीच कपड़े का थैला बांटकर नो पालिथीन का संदेश दिया जा रहा है। इसका विस्तार करते हुये छत्तीसगढ़ स्टेट पावर ट्रांसमिशन कंपनी की प्रबंध निदेशक श्रीमती तृप्ति सिन्हा द्वारा 30 सितम्बर को डंगनिया बाजार में कपड़े का थैला आमजनों के मध्य निःशुल्क वितरण किया गया।

आमजनों को जागरूक बनाने के लिये श्रीमती सिन्हा सहित अन्य उच्चाधिकारियों ने कपड़े का थैला वितरण में भागीदारी दी। साथ ही घर के अनुपयोगी कपड़ों से थैला बनाने के लिये प्रेरित किया। इस अवसर पर पावर ट्रांसमिशन कंपनी के कार्यपालक निदेशक श्री एम.एस. चौहान, के.एस. मनोठिया, मुख्य अभियंता श्री पी.के. गुप्ता, डीजीएम (एचआर) श्री आर.के. श्रीवास्तव, श्री आर.सी. अग्रवाल, प्रमोद गढ़ेवाल, डॉ. स्वाति तिवारी, सहित अन्य अधिकारी-कर्मचारी भी उपस्थिति थे।

थैला वितरण कार्यक्रम मं अतिरिक्त महाप्रबंधक (जनसंपर्क) श्री विजय मिश्रा ने कहा कि पर्यावरण के लिये पालीथीन अत्यन्त घातक हैं। राज्य शासन ने पालीथीन के उपयोग पर प्रतिबंध लगाया है। ये जमीन के साथ-साथ हवा और पानी को भी प्रदूषित कर रहे हैं। ट्रांसमिशन कंपनी की ओर से कई अन्य बाजारों में भी इस तरह के थैला वितरित किए जा रहे हैं। अभी तक एक हजार से अधिक थैले वितरित किए गए हैं।

बिजली बकायादारों से वसूली-बिजली चोरों पर कठोर कार्यवाही जारी

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनी द्वारा ग्रामीण एवं षहरी क्षेत्रों में बिजली बिल का भुगतान नहीं करने वाले उपभोक्ताओं, अवैध कनेक्षनधारियों और बिजली चोरों के खिलाफ कठोर कार्यवाही हेतु अभियान चलाया जा रहा है। इसके अन्तर्गत रायपुर क्षेत्र में लगभग 3300 बकायादार उपभोक्ताओं के कनेक्शन विच्छेदित किये गये। विच्छेदित कनेक्शन के पुनर्संयोजन हेतु बकायादारों से 2 करोड़ से अधिक राशि की वसूली की गई। बिजली चोरी में लिप्त उपभोक्ताओं के नाम प्रिन्ट एवं इलेक्ट्रानिक मीडिया में सार्वजनिक तौर पर उजागर किया जा रहा हैं। अतः उपभोक्तागण विद्युत का वैद्य कनेक्शन लेकर ही बिजली का उपयोग करें।

पॉवर कंपनी के चेयरमेन श्री शैलेन्द्र शुक्ला ने कहा कि विद्युत का वैध कनेक्शन न केवल समुचित रौशनी सहित सुरक्षित जीवन को सुनिश्चित करता है अपितु यह प्रथम 400 यूनिट तक हाफ बिजली माफ योजना का आर्थिक लाभ भी प्रदान करता है। अतः उपभोक्तागण अवैधानिक तरीके से बिजली लेने पर होने वाली दण्डात्मक कार्यवाही, सामाजिक अपमान, विद्युत दुर्घटना एवं आर्थिक दण्ड तथा कारावास जैसी परेशानियों से बचने के लिए वैधानिक विद्युत कनेक्शन ले। यह अनेक दृष्टि से उपभोक्ता सहित पॉवर कंपनीज संस्था के लिए हितकारी है।

बिजली विभाग द्वारा गठित अधिकारियों की टीम गांव-षहर के भवनों, होटलों, दुकान और मकानों के विद्युत कनेक्षनों की आकस्मिक जांच कर रही है। इस अभियान के अन्तर्गत जांच दलों को उपभोक्ताओं के घरों एवं दुकानों में स्थापित विद्युत मीटरों से बायपास कर या विद्युत खंभे से हुकिंग कर बिजली की चोरी करते हुए पकड़ा गया। जिस पर विद्युत अधिनियम की धारा 135 व 138 के तहत कार्यवाही करते हुए एफआईआर दर्ज कर विषेष न्यायालय को प्रकरण प्रेषित किया गया। प्रदेशमें जारी "हाफ रेट पर बिजली योजना" का लाभ भी डिफाल्टर उपभोक्ताओं को नहीं मिल रहा हैं।

बिजली से जुड़े विभिन्न अनियमितताओं और अपराधों के संबंध में विद्युत अधिनियम 2003 के तहत दर्ज मामलों में तीन वर्ष का कारावास अथवा जुर्माना दोनों लगाया जाता है। प्रदेशव्यापी बिजली कनेक्शन जांच अभियान के अंतर्गत बिजली चोरी में लिप्त उपभोक्ताओं के विरूद्ध धारा 135, बिजली लाईनों और सामग्री की चोरी में लिप्त उपभोक्ताओं के विरूद्ध धारा 136 तथा चुराई गई संपत्ति प्राप्त करने के लिए धारा 137 में दंडात्मक कार्यवाही और विद्युत मीटरों से छेड़छाड़ के मामले में धारा 138 के तहत मामलें दर्ज किये जा रहे हैं। बकाया भुगतान नहीं करने अथवा अन्य अनियमिताओं के कारण जिन उपभोक्ताओं के विद्युत कनेक्शन विच्छेदित किये गये हैं, ऐसे कनेक्षनों की जांच सांझ ढले दोबारा की जा रही हैं। जिससे विच्छेदित कनेक्शन को अवैधानिक रूप से पुनः जोड़ने वाले, विद्युत खम्भें से हुकिंग कर बिजली लेने वाले अथवा पड़ोस से बिजली कनेक्शन लेने वाले पर दंडात्मक कार्यवाही की जा रही हैं।

जो दूसरों के मुख पर मुस्कान लाते हैं उनके मुख पर मुस्कान सदैव बनी रहती है...

दुर्ग क्षेत्र में भारत रत्न डॉ. विश्वेश्वरैया जन्मदिवस समारोह का आयोजन

दुर्ग क्षेत्र में 15 सितंबर को भारत रत्न डॉ.मोक्षगुण्डम विश्वेश्वरैया के जन्म दिवस पर "अभियंता दिवस" समारोह का आयोजन किया गया। इसमें दुर्ग कलेक्टर अंकित आनंद ने डॉ विश्वेश्वरैया जी की प्रतिमा का अनावरण किया। इस अवसर पर नियामक आयोग के पूर्व अध्यक्ष एवं सीएसईबी के पूर्व सदस्य (टी एंड डी) इंजीनियर मनोज डे, पूर्व प्रबंध संचालक जी.एस.देशपांडे, सेवानिवृत्त मुख्य अभियंता इंजीनियर पी.एस.कुमार, कार्यपालक निदेशक श्री अशोक कुमार, अतिरिक्त मुख्य अभियंता इंजीनियर एम.जामुलकर, अधीक्षण अभियंता व्ही.आर.मौर्या, एस.आर.बांधे सहित अन्य अभियंताओं ने भागीदारी दी।

कार्यक्रम में श्री आनंद ने कहा कि भारत रत्न से सम्मानित डॉ मोक्षगुण्डम विश्वेश्वरैया ने 101 वर्ष की आयु पाई और अंत तक सक्रिय जीवन व्यतीत किया। एक बार एक व्यक्ति ने उनसे पूछा "आपके चिर यौवन का रहस्य क्या है?" तो उन्होंने जवाब दिया -'जब बुढ़ापा मेरा दरवाजा खटखटाता है तो मैं भीतर से जवाब देता हूं कि विश्वेश्वरैया घर पर नहीं है, और वह निराश होकर लौट जाता है। बुढ़ापे से मेरी मुलाकात ही नहीं हो पाती तो वह मुझ पर हावी कैसे हो सकता है।'

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कार्यपालक निदेशक श्री अशोक कुमार ने कहा कि राष्ट्र के निर्माण के लिए विश्वेश्वरैया जी ने अनेक उत्कृष्ठ कार्य किये है जिनमें कृष्णा राज सागर डैम, खड़कवासला डैम जैसे बड़ी सिंचाई परियोजनाएं शामिल है। देश के निर्माण में इंजीनियरों का बड़ा योगदान रहा है। कार्यक्रम में कलेक्टर श्री आनंद ने 13 अभियंताओं को उत्कृष्ट अभियंता सम्मान से नवाजा। कार्यक्रम में अतिरिक्त मुख्य अभियंता श्री एम.जामुलकर, कार्यपालन अभियंता श्री बी.के.बोरीकर, श्री सलिल खरे, श्री ए.डी. टंडन, श्री ओ.पी.भारद्वाज सहित बड़ी संख्या में अभियंतागण उपस्थित थे।

राजनांदगांव में अभियंता दिवस का आयोजन

राजनांदगांव में अभियंता दिवस पर 16 सितम्बर 2019 को कार्यपालक निदेशक श्री संजय पटेल, अधीक्षण अभियंता श्री पी.के. शर्मा सहित उपस्थित अन्य अभियंताओं ने भारतरत्न डॉ. एम. विश्वश्वरैया को श्रद्धासुमन अर्पित कर उनके पद चिन्हों पर चलने का संकल्प लिया। इस अवसर पर ईडी श्री पटेल ने कहा कि 15 सितम्बर को भारत ही नही अपितु श्रीलंका एवं तंजानिया में भी सर एम. विश्वश्वरैया की स्मृति में अभियंता दिवस का आयोजन किया जाता है। वैज्ञानिक और निर्माता के रूप में देश की सेवा में अपना जीवन समर्पित करने वाले भारतरत्न डॉ. एम. विश्वश्वरैया को भारत ही नहीं वरन् विश्व के महान प्रतिभाओं में गिना जाता है। कार्यक्रम में कार्यपालन अभियंता श्री व्ही.आर.के. मुर्ति, कनिष्ठ अभियंता श्री पवन यदु को उनके उत्कष्ठ कार्यो के लिए अभियंता परिवार द्वारा सम्मानित किया गया। समारोह में अधीक्षण अभियंता श्री अविनाश सोनेकर, सहायक अभियंता श्री मुकेश साहू, श्री आर.पी. ठाकुर, श्री कुंजेश श्रीवास एवं लोक निर्माण विभाग, सिंचाई विभाग, जल संसाधन विभाग सहित जिलेभर के समस्त अभियंता गण उपस्थित थे।

गणित के कुछ जादुई नंबर क्या हैं?

गणित के जादुई अंक बहुत से हैं अगर लिखना शुरू करें तो बहुत बड़ी किताब लिखी जा सकती है। फ़िलहाल अंक 9 एक जादुई अंक है। 9 से आप किसी भी संख्या को गुणा करते हैं तो जो अंक आता है उसे आपस में जोड़ने पर 9 ही आता है जैसे 9 गुणा 15 = 135 = 5+3+1 = 9

मुख्य अभियंता श्री गोवर्धन सहित अन्य सेवानिवृत्तजनों की विदाई

छतीसगढ़ स्टेट पॉवर जनरेशन-टांसमिशन कंपनी से सेवानिवृत्तजनों में शामिल मुख्य अभियंता श्री सतीष मनोहर गोवर्धन सहित 11 अन्य अधिकारियों-कर्मचारियों को 30 सितम्बर को भावभीनी विदाई दी गई। विदाई समारोह में एमडी (ट्रांसमिशन) श्रीमती तृप्ति सिन्हा, एमडी (जनरेशन) श्री के.आर.सी मूर्ति एवं डायरेक्टर सर्वश्री जी.सी.मुखर्जी, ओ.सी.कपिला, अजय दुबे ने सेवानिवृत्तजनों को प्रतीकात्मक भेंट, प्रशस्ति पत्र प्रदान कर उनके सपरिवार उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

विदाई समारोह में श्री गोवर्धन सहित सर्वश्री बालकृष्ण पाठक, श्रीमती ईएस पुन्नम्मा पनिकर, अनिल कुमार तिवारी, शांतिलाल वर्मा, गणेशराम साहू, जयलाल साहू, मन्नूसिंह वर्मा, मंगतराम साहू, दीनबंधु दुबे, झनक सिंह ध्रुव और दीनदयाल ध्रुव के प्रति शुभकामनाओं की अभिव्यक्ति देते हुए एम.डी. श्रीमती सिन्हा ने कहा कि आदमी का काम बोलता है। उसकी स्थायी पहचान नाम से अधिक काम से होती है। इसी क्रम में एमडी श्री मूर्ति ने सेवायात्रा में सुनियोजित कार्यशैली की उपादेयता तथा डायरेक्टर श्री कपिला ने विपरीत परिस्थितियों में विचलित हुए बिना सूझबूझ से कठिनाइयों के निदान करने पर जोर दिया।

कार्यक्रम में मुख्य अभियंता श्री पी.के.गुप्ता एवं अतिरिक्त महाप्रबंधक श्री ए.के.सतसंगी ने भी विचार व्यक्त किये। समारोह में आभार प्रदर्शन डीजीएम श्री आर.के.श्रीवास्तव एवं संचालन अतिरिक्त महाप्रबंधक(जनसंपर्क) श्री विजय मिश्रा, सहायक प्रकाशन अधिकारी गोविंद पटेल ने किया।

पॉवर कंपनी में नवनियुक्त सी.व्ही.ओ. कर्नल भदुरिया का स्वागत कार्यक्रम

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर होल्डिंग कंपनी के सतर्कता एवं सुरक्षा विभाग में नवपदस्थ मुख्य सतर्कता अधिकारी (सी.व्ही.ओ.) कर्नल प्रदीप कुमार सिंह भदुरिया के पदग्रहण उपरांत स्वागत समारोह का आयोजन किया गया। कंपनी मुख्यालय विद्युत सेवा भवन परिसर में स्थित आफिसर्स क्लब में आयोजित स्वागत-परिचय समारोह में नवनियुक्त सी.व्ही.ओ. कर्नल भदुरिया के जीवन परिचय पर अतिरिक्त महाप्रबंधक (जनसम्पर्क) श्री विजय मिश्रा ने प्रकाश डाला।

उन्होंने बताया कि एरोनोटिक्स इंजीनियरिंग नागपूर विश्वविद्यालय से बी.टेक. की उपाधि उपरांत 1988 में चेन्नई जनरल कमीशन से सेवायात्रा आरंभ कर अरुणाचल प्रदेश, मेरठ, सिक्किम, कश्मीर, नागालैण्ड में अपनी सेवा के दौरान श्री भदुरिया ने कारगिल ऑपरेशन और श्रीलंका ऑपरेशन में भी महत्वपूर्ण भूमिका का निवर्हन किया।

कार्यक्रम के आंरभ में मैनेजर श्री पंकज सिंह, सुरक्षा अधिकारी श्री आर.के.साहू, सुरक्षा निरीक्षक श्री प्रभुशरण सिंह ठाकुर, निज सचिव श्री प्रभाकर राव, एन.के. दीवान, शेषनारायण वर्मा, ताराचंद बेन, रमेश सिंह पोर्ते, मणिक शर्मा कुजूर, गजानंद साहू, विजय लकरा, रामकुमार विश्वकर्मा ने स्वागत कर कर्नल भदुरिया के सफल कार्यकाल के लिये शुभकामनायें दी। श्री भदुरिया ने टीमवर्क के साथ पॉवर कंपनी के सतर्कता सुरक्षा विभाग के दायित्वों को कुशलतापूर्वक निष्पादित करने विश्वास जताया।

इसी क्रम में सुरक्षा अधिकारी श्री आर.के. साहू ने कहा कि सुरक्षा विभाग का संबंध पॉवर कंपनी सहित अन्य आगन्तुकों से भी बना होता है। ऐसी स्थिति में कर्नल भदुरिया का मार्गदर्षन विभाग को और बेहतर प्रदर्शन करने के लिये प्रेरित करेगा। कार्यक्रम का संचालन एवं आभार प्रदर्शन सुरक्षा निरीक्षक श्री प्रभुशरण सिंह ने किया।

आदर्शिनी महिला मण्डल ने मनाया दीवाली स्नेह मिलन

आदर्शिनी महिला मंडल द्वारा डंगनिया स्थित महिला क्लब में "दीवाली स्नेह मिलन" कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ क्लब की अध्यक्षा श्रीमती अनिता शुक्ला, उपाध्यक्ष श्रीमती रमा मूर्ति, सलाहकार श्रीमती आभा शुक्ला एवं सचिव श्रीमती अनिता नाहर जैन द्वारा दीप प्रज्ज्वलन कर किया गया। अध्यक्षा श्रीमती शुक्ला ने सभी को दीपावली की शुभकामनायें प्रेषित करते हुये सहयोग और स्नेह बंधन बनाये रखने की कामना की।

इस अवसर पर क्लब की सदस्याओं द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम की मनभावन प्रस्तुति दी गई। कार्यक्रम का संचालन सचिव श्रीमती जैन द्वारा रोचक ढंग से किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में सह सचिव श्रीमती सविता सचदेव, श्रीमती अनिता खन्ना एवं सरोजनी दुबे की उल्लेखनीय भूमिका रही।

कुजूर ने सब स्टेशन में उगने वाले पीपल को दिया नया जीवन

प्रकृति में हर चीज का अलग महत्व होता है। आप सभी जानते होंगे कि पीपल और बरगद ऐसे पेड़ हैं, जिनके एक फल में सैकड़ों बीज होते हैं। उनके बीज इतने सूक्ष्म होते हैं कि सामान्य नजरों से नहीं दिखते। पीपल और बरगद के बीजों से आप पौधे तैयार नहीं कर सकते। यह प्राकृतिक तरीके से ही उगता है। इसकी नर्सरी तैयार नहीं की जा सकती। ये दोनों पौधे अपनी परिस्थिति में दुर्गम स्थानों में उग जाते हैं। घर की मुंडेर पर, बिल्डिंग के ऊपर। यहां तक कि पुराने पेड़ की खोह में पीपल और बरगद उग जाते हैं। एकबार अच्छी तरह से जड़ें पकड़ने के बाद ये सैकड़ों साल तक जीवित रहती हैं। आज के दौर में हमें पीपल और बरगद के छोटे पौधे कम नजर आते हैं। जो विशाल पेड़ बचे हुए हैं उन्हें कब किसने लगाया, वह कहानी बन चुकी है।

ऐसी परिस्थितियों में हमारे छत्तीसगढ़ स्टेट पावर ट्रांसमिशन कंपनी के एक कर्मचारी ऐसे हैं जो सब स्टेशनों में उगने वाले पीपल और बरगद के पौधों को एकट्ठा करते हैं और उन्हें सही तरीके से दूसरी जगह लगाते हैं। जशपुर के 132 केवीए सब स्टेशन में जूनियर सुपरवाइजर श्री केपी कुजूर जी यह काम कई सालों से करते आ रहे हैं। वे जहां भी रहे, सब स्टेशन में उगने वाले पीपल-बरगद के पौधों को नया जीवन देने का काम करते रहे।

श्री कुजूर ने ऐसे ही पीपल और बरगद पौधों को इकट्ठा किया और उन्हें गमले में बड़ी करके रोपने का काम किया। वे जिस सब स्टेशन में काम करते थे, उसमें कांक्रीट के किनारे पीपल और बरगद के छोटे पौधे देखते थे तो उन्हें निकालकर पालीथीन में लगा देते थे। जब वह बड़ा हो जाता था तो उन्हें सब स्टेशन के बाहर या सड़क पर लगा देते थे। इन्होंने ऐसे अनेक पीपल और बरगद लगाए हैं। पेड़-पौधों के प्रति इनका लगाव प्रशंसा के काबिल है। जुलाई महीने में वे सेवानिवृत्त हुए, उनके इस कार्य को प्रबंध निदेशक श्रीमती तृप्ति सिन्हा ने भी सराहा। उन्होंने कहा कि इस तरह के कार्य सभी को करना चाहिए, ताकि हमारी पृथ्वी में हरियाली बनी रहे।

श्री कुजूर केवल पीपल और बरगद ही नहीं लगाते। फरसापानी के पास बरंगजोर गांव में आपका सात एकड़ का खेत हैं, जहां ये पेड़-पौधे लगाते हैं। उन्होंने वहां 200 आम के पेड़ लगाए हैं। इमारती लकड़ी वाले सागौन और खम्हार के 100-100 पेड़ आपने लगाए हैं। इसके अलावा करंज, नीबू, करौंदा के पौधे भी आपके खेत में है। श्री कुजूर ने अपने खेत में लीची के 25 पौधे पांच साल पहले लगाए थे, अब वे फलने लगे हैं। कुजूर अपनी बाकी जिंदगी एक किसान के रूप में धरती माता की सेवा करना चाहते हैं। इनका मूल निवास भड़िया (रुपसेरा) बगीचा जिला जशपुर में हैं।

कृषि विकास में अहम भागीदारी

नए सिंचाई पम्पों के लिए

- विद्युत लाईन की विस्तार लागत हेतु प्रति पम्प 1 लाख का अनुदान।
- छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा 100 करोड़ का अनुदान का प्रावधान।
- 15000 ऊर्जीकरण का लक्ष्य।

सिंचाई पम्पों के बिजली बिल

- 3 एच.पी. के लिए 6000 यूनिट प्रतिवर्ष
- 3 से 5 एच.पी. के लिए 7500 यूनिट प्रतिवर्ष छूट

फ्लैट रेट योजना :

- हितग्राही - 1 लाख 70 हजार
- मात्र 100/- रुपए प्रतिमाह (प्रति एच.पी. की दर से बिजली बिल)
- हितग्राही - 2 लाख 60 हजार

बिलासपुर में उत्कृष्ट कर्मी पुरस्कृत

बिलासपुर क्षेत्र में स्वतंत्रता दिवस पर कार्यपालक निदेशक श्री भीम सिंह कंवर ने ध्वजारोहण उपरान्त उत्कृष्ट 6 अधिकारियों/कर्मचारियों को मेडल एवं प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया। जिनमें श्रीमती मधु सोनी, श्रीमती स्वर्ण संध्या मसीह स्टाफ सियाराम कौशिक, नरेन्द्र कुमार सिन्हा, भारत सिंह श्याम एवं मनोज कुमार एक्का शामिल थे। समारोह में अधीक्षण अभियंता ए.के. श्रीवास्तव, पी.के. कश्यप, जॉन मोहम्मद, सुरेश बाजपेयी, अतिरिक्त मुख्य चिकित्साधिकारी एस.एल. कोरटिया एवं कंपनी के अधिकारी-कर्मचारी बड़ी संख्या में मौजूद थे।

दुर्ग में राष्ट्रीय एकता की शपथ

दुर्ग क्षेत्रीय मुख्यालय में 31 अक्टूबर को लौह पुरूष वल्लभ भाई पटेल के जन्मदिवस के अवसर पर अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने राष्ट्रीय एकता एवं अखंडता बनाए रखने हेतु संकल्प लिया। शपथ कार्यक्रम में कार्यपालक निदेशक अशोक कुमार, अधीक्षण अभियंता श्री व्ही.आर. मौर्या, कार्यपालन अभियंता द्वय श्री एस.एस. बघेल एवं श्रीमती सनीली चौहान तथा वरिष्ठ लेखाधिकारी श्री वाय.कोसरिया सहित विभाग के अधिकारियों-कर्मचारियों ने देश की आंतरिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए संकल्प दोहराया।

वीर का लक्ष्य

किशोरवय बालक ने अपने दादाजी से पूछा आज मां ने मुझे आशीष देते हुये अर्जुन की तरह वीर बनने को कहा है, भला आप ही बतायें अर्जुन की तरह मैं कैसे बन सकता हूं ? अर्जुन के मार्गदर्शक तो स्वयं भगवान श्रीकृष्ण थे। बालक के प्रश्न का उत्तर देते हुये दादाजी ने कहा- बेटा, भगवान तो आज भी सबका मार्गदर्शन करने के लिये तैयार हैं, पर हम ही उसे ग्रहण करने के लिये तैयार नहीं रहते हैं। जब भी किसी व्यक्ति को ईश्वर किसी कार्य के लिए समर्पित करता है तो उसे संक्रीर्ण स्वार्थों को त्याग कर निष्ठापूर्वक कार्य करने में जुट जाना चाहिये। यही गुण व्यक्ति को सफलता के शिखर की ओर ले जाता है।

नन्हें बालक ने कहा कि मेरी समझदारी के अनुरूप मुझे इसे सरल ढंग से बतायें? प्रति उत्तर में दादा बोले कि तुम अपने आसपास के सभी लोगों से घुलमिल कर रहो उनके कष्टों को दूर करने का प्रयास करो और ज्यादा से ज्यादा खुशियां बांटने की कोशिश करो। इससे वे तुम्हें अपना मान लेंगे। प्रत्येक इंसान को ईश्वर ने ही बनाया है और ईश्वर अपने बनाये प्राणी को जब भले कार्यों में रत् देखता है तो स्वयं मार्गदर्शन देता है। तुम भी अर्जुन की तरह अत्याचारियों, दुराचारियों का उन्मूलन करने का संकल्प लो, ईश्वर तुम्हें अर्जुन की तरह अवश्य वीर बनायेंगे।

दादाजी की बातों को सार्थक करने का संकल्प लेने वाला यही बालक वीर शिवाजी के नाम से प्रसिद्ध हुआ और उनके भीतर महान गुणों के बीज बोने वाली उनकी माता जीजा बाई थीं।

कोरबा पश्चिम चिकित्सालय में आदर्शिनी महिला मंडल द्वारा फल वितरण

कोरबा पश्चिम ताप विद्युत गृह के विभागीय अस्पताल में 15 सिंतबर को आदर्शिनी महिला मंडल की अध्यक्षा श्रीमती अनिता शुक्ला ने मरीजों को फल वितरित कर उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। श्रीमती शुक्ला के साथ पावर जनरेशन कंपनी के प्रबंध निदेशक केआरसी मूर्ति की धर्मपत्नी श्रीमती रमा मूर्ति और संकल्प महिला मंडल की अध्यक्ष श्रीमती अलका मोडक ने भी अपनी सक्रिय भागीदारी दीं। अस्पताल परिसर में अतिरिक्त मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. एके. वाजपेयी के साथ चिकित्साधिकारियों एवं कर्मचारियां ने श्रीमती शुक्ला एवं श्रीमती मूर्ति का स्वागत

एवं अभिनंदन किया। इस दौरान छत्तीसगढ़ अभियंता संघ के प्रदेश अध्यक्ष श्री राजेश पांडेय और संकल्प महिला मंडल की सदस्याएं भी उपस्थित रहीं।

कर्मचारी विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम

भारत सरकार के श्रम मंत्रालय के अधीन कार्यरत कर्मचारी विकास बोर्ड के तत्वावधान में जगदलपुर में दो दिवसीय कर्मचारी विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन 17 एवं 18 अक्टूबर 2019 को किया गया। कार्यक्रम में कार्यपालक निदेशक श्री जे.एस. नेताम द्वारा मां सरस्वती के चित्र पर माल्यर्पण एवं दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। प्रशिक्षणार्थियों को केन्द्रीय श्रमिक शिक्षा मण्डल के शिक्षा अधिकारी श्री डी एस सहारे द्वारा सकारात्मक दृष्टिकोण, तनाव प्रबंधन, दुर्घटना से बचाव एवं सुरक्षा, कार्य संस्कृति तथा श्रेष्ठ जीवन के पहलू आदि विषयों पर व्याख्यान दिये गये।

तुलसी मुझे माफ नहीं करोगे ?

राष्ट्रपति राजेन्द्र प्रसाद जी अत्यन्त सादगी पसंद इंसान थे। उनके अधीन तुलसी नाम का एक पुराना कर्मचारी सेवारत था। एक दिन राजेन्द्र प्रसाद जी के कमरे की साफ सफाई करते समय उनके टेबल पर रखा हाथी के दांत से निर्मित पेन का सेट गलती से तुलसी के हाथों जमीन पर गिर गया। इससे पेन तो टूट ही गया उसके भीतर की स्याही से पूरी कालीन भी खराब हो गई।

इसे देखकर राजेन्द्र प्रसाद जी को बहुत गुस्सा आया। दरअसल वह पेन बहुत ही कीमती था और किसी के द्वारा प्रदत्त एक अनमोल धरोहर के रूप में उसे वे सुरक्षित रखते थे। पेन के टूटने से क्रोधित होकर उन्होंने तत्काल अपनी निजी सेवा से तुलसी को हटा दिया। इस घटना के बाद दिनभर वे अपने कार्यों में व्यस्त रहे। अनगिनत आगन्तुकों से मिलते रहे, पर हर पल उनके दिल में यह घटना एक फांस की भांति चुभती रही। उन्हें लगा कि अनजाने में हुई गलती के कारण तुलसी के साथ अन्याय नहीं होना चाहिये था।

दिनभर के कार्यालयीन कार्यों का संपादन करने के उपरांत सांझ ढले उन्होंने तुलसी को अपने पास बुलाया। तुलसी किसी और तरह की डांट-फटकार की कल्पना में डूबा सहमा राजेन्द्र प्रसाद जी के सामने पहुंचा और सिर झुकाये हाथ जोड़कर खड़ा हो गया। राजेन्द्र प्रसाद जी तुलसी के पास पहुंचे और बड़े ही अपनेपन का भाव लिये बोले- '***तुलसी मुझे माफ कर दो।***'

तुलसी से कुछ बोला नहीं गया। इस पर राष्ट्रपति जी ने फिर दोहराया- तुलसी क्या तुम मुझे क्षमा नहीं करोगे? इस पर तुलसी की आंखों से आंसू की धार बह चली। साथ ही साथ राजेन्द्र प्रसाद जी की आंखों में भी आंसू आ गये।

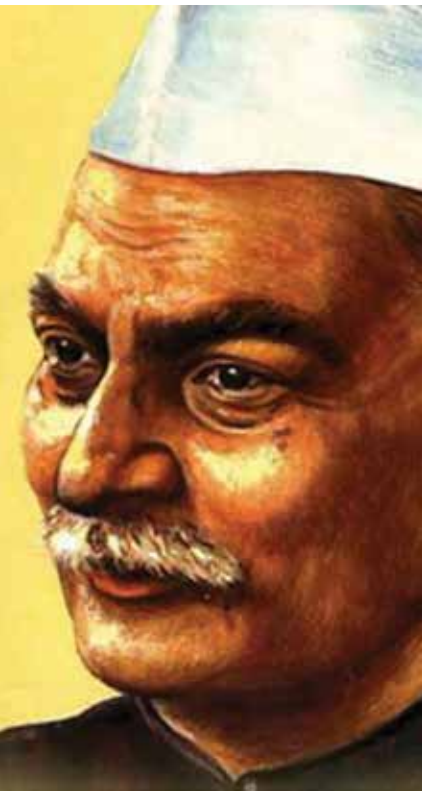

राजनांदगांव-दुर्ग क्षेत्र में कौशल विकास प्रशिक्षण

राजनांदगांव एवं दुर्ग क्षेत्र के नवनियुक्त लाईन परिचारकों को कौशल विकास परिषद् (पी.एस.एस.सी.) नई दिल्ली के तत्वाधान में प्रशिक्षण देने हेतु 06 सितम्बर 19 को प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ कार्यपालक निदेशक श्री संजय पटेल, मुख्य अभियंता श्री एन.डब्ल्यू हेनरी, अतिरिक्त मुख्य अभियंता श्री एम.जामुलकर एवं टी.के.मेश्राम द्वारा द्वीप प्रज्वलित कर किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में शामिल लाईन परिचारकों (संविदा) को विद्युत लाईनों एवं उपकरणों के रखरखाव सहित सुरक्षा संबंधी सावधानियों की जानकारी दी जाएगी। दुर्ग एवं राजनांदगांव रीजन के 57 प्रशिक्षणार्थियों के इस बैच की प्रशिक्षण अवधि दो माह की होगी।

कार्यक्रम में कार्यपालक निदेशक श्री पटेल ने कहा कि प्रशिक्षण अवधि में प्रशिक्षणार्थियों को सदैव सजग एवं तत्पर रहकर ज्ञान प्राप्त करना चाहिए। इसी क्रम में मुख्य अभियंता(प्रशिक्षण) श्री एन.डब्ल्यू हेनरी ने कहा कि प्रशिक्षण बहुत महत्वपूर्ण है, क्योंकि ये कार्य में नये आयाम लेकर आता है। प्रशिक्षण से ज्ञान में वृद्धि होती है। कर्मचारियों के कार्य का प्रभाव संस्थान की छबि पर पड़ता है, इसलिए नव नियुक्त कर्मचारियों को प्रशिक्षण देना आवश्यक है। कार्यक्रम में अधीक्षण अभियंता सर्वश्री एस.आर.बांधे, व्ही.आर.मौर्या, कार्यपालन अभियंता सर्वश्री एस.आर.गुर्जर, डी.पी.बरुआ एवं श्रीमती सनिली चौहान, प्रशिक्षक श्री पी.के.दुबे एवं श्री भुपाल सिंह सहित दुर्ग एवं राजनांदगांव क्षेत्र के अन्य अधिकारी एवं प्रशिक्षणार्थी उपस्थित थे।

नरौली में विद्युत समस्याओं के समाधान के लिए शिविर का आयोजन

कबीरधाम जिले के ग्रामीण अंचलों में बेहतर विद्युत व्यवस्था बनाये रखने तथा उपभोक्ताओं के विद्युत संबधी शिकायतों के समाधान सुनिश्चित करने हेतु कापादाह वितरण केन्द्र के ग्राम नरौली में 4 अकटूबर को शिविर का आयोजन किया गया। सहायक अभियंता श्री मनीष कुमार साहू ने बताया कि उक्त शिविर में 36 उपभोक्ताओं ने 60560 रूपये के बिजली बिल का भुगतान किया। शिविर में विद्युत उपभोक्ताओं के विवादित देयकों, वोल्टेज की समस्या, नये विद्युत कनेक्शन, मीटर की समस्या, ट्रांसफार्मर भार वृद्धि, विफल ट्रांसफार्मर संबधी समस्या सहित विद्युत संबधी अन्य समस्याओं का समाधान किया गया। शिविर में आये उपभोक्ताओं को जागरूक बनाने मीटर रीडिंग, घरेलू विद्युत उपकरणों का सुरक्षित उपयोग गुणवत्तापूर्ण वायर एवं अर्थिंग की महत्ता की जानकारी दी गई।

छिपकली के जीवित रहने का राज

एक जापानी व्यक्ति अपने घर का नवीनीकरण करने के लिये पुरानी दीवारें तोड़ रहा था। जापान में लकड़ी की दीवारों के बीच खाली जगह होती है अर्थात दीवारें अंदर से पोली होती है। ऐसी लकड़ी की दीवारों को तोड़ते तोड़ते उस जापानी व्यक्ति ने देखा कि दीवार के अंदर की तरफ लकड़ी पर एक छिपकली सिमटी हुई बैठी है जिसके पिछले पैर में एक बारीक सी कील ठुके होने के कारण चलने फिरने में वह असमर्थ है।

इस दृष्य को देखकर जापानी व्यक्ति को बड़ी दया आई वह छिपकली को अत्यन्त निकट से देखता रहा, तब उसे कील में लगे जंग को देखकर अहसास हुआ कि एक लम्बे समय से छिपकली ऐसी स्थिति में फंसी हुई है। इसके बावजूद उसका जीवित रहना जापानी व्यक्ति को समझ से परे लगा। उसकी जीवित रहने का राज जानने के लिये वह थोड़ी दूर में जाकर छिपकली की हरकतों पर नजर रखने लगा। थोड़ी ही देर में उसने देखा कि एक अन्य छिपकली मुंह में कुछ खाद्य वस्तु दबाये हुये आई और फंसी हुई छिपकली को उसे खिलाने लगी।

यह देखकर जापानी व्यक्ति स्तब्ध रह गया और सोचने लगा कि एक छोटा सा प्राणी जब किसी अन्य प्राणी के लिये इतनी दया, धैर्य और सहयोग की भावना रखता है तो हम तो प्राणियों में सर्वश्रेष्ठ प्राणी हैं। भला हमें ऐसा भावना क्यों नहीं रखनी चाहिये ?

एबीवीटीपीएस में श्रीमती प्रधान को भावभीनी विदाई

अटल बिहारी वाजपेयी ताप विद्युत गृह मड़वा से सितंबर माह में एएनएम सुमुदिनी प्रधान की सेवानिवृत्ति पर कार्यपालक निदेशक श्री एमएस. कंवर द्वारा स्मृति चिह्न, प्रशस्ति प्रमाण-पत्र भेंट कर भावभीनी विदाई दी गई। इस अवसर पर कार्यपालक निदेशक एमएस कंवर ने कहा कि श्रीमती प्रधान ने संघर्षपूर्ण जीवन के साथ मरीजों की सेवा कर सेवा भावना की मिसाल पेश की। इसी क्रम में अतिरिक्त मुख्य अभियंता सुनील बिस्वास ने कहा कि नर्सिंग सेवा एक तरह से मानवता की सेवा है। ऐसे कार्य को सुमुदिनी प्रधान ने बड़ी ही सहजता के साथ पूरा किया, यह आने वाली पीढ़ी के लिए एक आदर्श है। इस अवसर पर समारोह में अधीक्षण अभियंता रामजी सिंह, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. श्रीमती वी. थामस, कार्यपालन अभियंता नीरज वैश्य, मुख्य रसायनज्ञ आरके तिवारी, चिकित्साधिकारी डॉ. पटेल सहित अन्य अधिकारी-कर्मचारीगण उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ कल्याण अधिकारी एसके शर्मा द्वारा किया गया।

बिलासपुर में विदाई समारोह

बिलासपुर क्षेत्र में माह सितम्बर-अक्टूबर 19 में सेवानिवृत्त हुए अधिकारी-कर्मचारी सर्वश्री नरेश टी. भवसार, जैतराम कौशिक, रामगोपाल साहू, दिनेश कुमार मिश्रा, कार्तिक राम राजपुत, लक्ष्मी नारायण इंगले, बोधीराम साहू, ए.के.श्रीवास्तव, दीनानाथ स्वर्णकार, नारायण सोनारे को सम्मानित कर भावभीनी विदाई दी गई। कार्यपालक निदेशक श्री भीम सिंह ने सेवानिवृत्त हो रहे कर्मियों के कंपनी में किये गये कार्यों को बहुमूल्य निरूपित कर उनके स्वस्थ एवं सुखमय जीवन की कामना की। समारोह में अति. मुख्य अभियंता श्री के.के. भगत, अधीक्षण यंत्री श्री पी.के. कश्यप, श्री एस.के. बाजपेयी, वरिष्ठ विधि अधिकारी श्री बृजेन्द्र सिंह, कार्यपालन अभियंता श्री आर.के. कश्यप, श्री सुरेश जांगडे सहित बड़ी संख्या में अधिकारी-कर्मचारीगण उपस्थित थे।

कोरबा पश्चिम में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को श्रंद्धाजलि

कोरबा पश्चिम में गांधी जयंती पर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को पुष्पांजलि अर्पित कर बताये मार्ग पर चलने का संकल्प अधिकारी-कर्मचारियों ने लिया। इस अवसर पर पीपी मोडक ने कहा कि गांधीजी के सत्य व अहिंसा का हमें अनुशरण करना चाहिए। इस अवसर पर अतिरिक्त मुख्य अभियंता संदीप श्रीवास्तव, अधीक्षण अभियंता एमके गुप्ता, ओपी शुक्ला, कार्यपालन अभियंता राजेश पांडेय, एसके सोनी, आरके नायर सहित बड़ी संख्या में अधिकारियों व कर्मचारियों ने गांधीजी को नमन करते स्मरण किया।

मड़वा कॉलोनी में दशहरा उत्सव

अटल बिहारी वाजपेयी ताप विद्युत गृह मड़वा के आवासीय कॉलोनी में दषहरा पर्व का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि कार्यपालक निदेशक श्री एमएस कंवर एवं अतिरिक्त मुख्य अभियंता टीएल देवांगन एवं अरूण वर्मा द्वारा भगवान राम-लक्ष्मण की स्तुति के बाद सीनियर क्लब में 40 फीट ऊंचा रावण का पुतला जलाया गया। इस अवसर पर कार्यपालक निदेशक श्री कंवर ने अहंकार का त्याग कर अच्छाईयों को अपनाने का आव्हान किया। दशहरा पर्व में नन्हें मुन्ने बच्चों की आकर्षक झांकी आकर्षण का केन्द्र रहीं। कार्यक्रम के संयोजन में अधीक्षण अभियंता श्री रामजी सिंह की उल्लेखनीय भूमिका रही।

केन्द्रीय प्रशिक्षण संस्थान, गुढ़ियारी में योग एवं ध्यान प्रशिक्षण

केन्द्रीय प्रशिक्षण संस्थान गुढ़ियारी रायपुर में प्रशिक्षुओं के रेजिस्टेंस पावर बनाये रखने के लिये सहायक अभियंताओं हेतु छह दिवसीय योग एवं ध्यान प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण उपरान्त मुख्य अभियंता श्री एन. डब्लू हेनरी द्वारा प्रतिभागी मुक्तेश्वरी साहू चांदनी मंडावी तथा दिनेश कुमार को क्रमशः प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय पुरस्कार प्रदान किया गया। इस अवसर पर श्री एन. डब्लू हेनरी ने कहा कि स्वस्थ रहकर कंपनी की कुशलतापूर्वक सेवा के लिये योगाभ्यास अथवा शारीरिक गतिविधियों का समावेश जरूर करना चाहिये। इसी क्रम में कार्यपालन अभियंता श्री सीताराम साहू ने स्वास्थ्य संबंधी जानकारी दी।

SECRET OF GRANDPA

Grandpa was celebrating his 100th birthday. Everybody complimented him on how healthy, athletic and well-preserved he appeared. “Iwill tell you the secret of my success”, Grandpa said, “My wife and I were married for 75 years ago. On our wedding day, we made a solemn pledge. Whenever we had an argument, or fight, the one who proved wrong would go outside and take a walk for 5 kms. Gentlemen, I have been walking in the open air, day after day for 75 years now.” One friend further asked, ‘ But your wife is also slim and energetic? Grandpa said, ‘ That is another secret – my wife use to follow me behind checking whether I go for 5 kms or sit in a park!’

राष्ट्रपति से सम्मानित हुई श्रीमती सीमा चतुर्वेदी

नई दिल्ली के विज्ञान भवन में शिक्षक दिवस के मौके पर महामहिम राष्ट्रपति श्री रामनाथ कोविंद ने शिक्षिका श्रीमती सीमा चतुर्वेदी को राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार से सम्मानित किया। श्रीमती सीमा चतुर्वेदी अतिरिक्त मुख्य अभियंता (टीएसएस.) के कार्यालय में पदस्थ श्री शशिकांत चतुर्वेदी की धर्मपत्नी हैं। वे शास.पूर्व माध्य. शाला स्याहीमुड़ी कोरबा में प्रधान पाठिका हैं। शिक्षा के क्षेत्र में दिए जाने वाले सर्वोच्च सम्मान में उन्हें प्रशस्ति पत्र, सिल्वर मैडल और 50 हजार रुपए दिए गए। इस अवसर पर केंद्रीय मानव संसाधन मंत्री रमेश पोखरियाल एवं संजय धोत्रे उपस्थित थे।

देशभर से चयनित 46 शिक्षकों में श्रीमती चतुर्वेदी छत्तीसगढ़ से एकमात्र शिक्षिका हैं। श्रीमती चतुर्वेदी को यह पुरस्कार उन्हें शिक्षा के क्षेत्र में लगातार किए जाने वाले उनके नवाचार के लिए दिया गया। इससे पहले भी श्रीमती चतुर्वेदी को विभिन्न पुरस्कारों से सम्मानित किया जा चुका है। इनमें राज्यपाल शिक्षक पुरस्कार, भारत महोत्सव में उत्कृष्ट शिक्षक का सम्मान, नवाचार के लिए मानव संसाधन मंत्रालय के द्वारा आईआईटी दिल्ली से सम्मान, जिला प्रशासन द्वारा गणतंत्र दिवस में उत्कृष्ट शिक्षक का सम्मान, शिक्षकों की सहायक शिक्षण सामग्री प्रतियोगिता में राष्ट्रीय स्तर पर मुंबई में प्रथम स्थान, अक्षय अलंकरण शशि राज्य सम्मान (बेस्ट मिडिल स्कूल प्रधान पाठक) शामिल हैं। श्रीमती चतुर्वेदी के मार्गदर्शन में अब तक कई छात्र-छात्राएं राज्य व राष्ट्रीय स्तर पर प्रदर्शन कर चुके हैं।

एबीवीटीपीएस में पर्यावरण पर जागरूकता कार्यक्रम

अटल बिहारी वाजपेयी ताप विद्युत गृह मड़वा में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती के अवसर पर पर्यावरण को प्लास्टिक मुक्त बनाने के लिए जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर कार्यपालक निदेशक एमएस कंवर ने प्लास्टिक का उपयोग कम करने तथा कपड़ों के थैले का उपयोग करने के लिए प्रेरित किया। कार्यपालक निदेशक के हाथों प्लास्टिक के प्रति जागरूकता पम्पलेट का अनावरण किया गया जिसे आवसीय कालोनी में वितरित किया गया। सहायक प्रकाशन अधिकारी बसंत शाहजीत व वरिष्ठ रसायनज्ञ अर्चना पांडेय ने कचरों के निपटान पर अपने सुझाव पेश किए। कार्यक्रम में अधीक्षण अभियंता श्री केसी अग्रवाल, एसके दुबे, कार्यपालन अभियंता नीरज वैश्य व केवीआर गिरीश समेत बड़ी संख्या में अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन करते हुए प्रबंधक (पर्यावरण) संजय झा द्वारा प्लास्टिक के दुष्प्रभावों को विस्तार से समझाया।

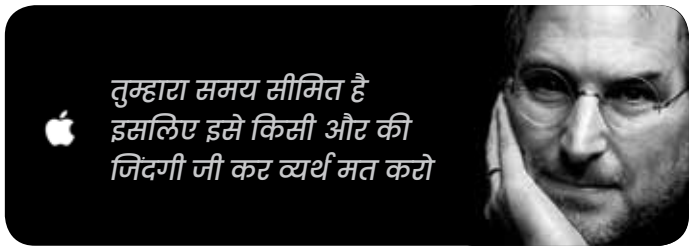

कष्ट का कारक है, क्रोध

एक पुरानी कहावत है कि आग, आग से नहीं, बल्कि पानी से बुझती है। इसलिये कहा गया है कि क्रोध के समय व्यक्ति को संयम से काम लेना चाहिये। उग्र होने के बजाय ऐसे समय में कोई फैसला लेने के पूर्व आत्मा की आवाज सुननी चाहिये। ऐसा करने से जीवन में कोई भी पीड़ा देने वाला घाव मनुष्य के भीतर निर्मित नहीं होगा। इस संदर्भ में एक पुरानी कहानी है- किसी गांव में एक बढ़ई रहता था। जो कि अपने धारदार औजारों को काम हो जाने के बाद सुरक्षित एक बोरी में बंद कर देता था। एक दिन ऐसे ही औजारों से भरी बंद बोरी में एक सांप बोरी में बने छोटे से छेद से घुस गया। भीतर घुसते ही वह सांप बढ़ई के विभिन्न धारदार औजारों से घायल हो गया और दर्द से विचलित हो उठा।

उसे औजारों के प्रति बेहद क्रोध आया। उसने अपने जबड़ों से बढ़ई के आरी को कसकर चबा दिया। ऐसा करते ही सांप के मुख में आरी के पैने दांत घुस गये और वह दर्द से और अधिक छटपटा उठा। क्रोध में उसने आपा खो दिया और पुनः आरी से बदला लेने के लिये समूचे आरी को लपेटकर कसना शुरू कर दिया। इससे उस सांप का शरीर जगह जगह से लहूलुहान हो गया। बुरी तरह से घायल सांप लाचार हो गया। तभी चींटियों का झुण्ड वहां पहुंचा और सांप को उन्होंने खाना शुरू कर दिया। बेबस सांप कुछ देर तड़फता रहा और बेमौत मारा गया। सांप की यह दशा क्रोध में विवेक खो देने के कारण ही हुई। अक्सर क्रोध में घिरा मनुष्य भी ऐसी गलती कर बैठता है। क्रोध के क्षण में संयम और धैर्य को बनाये रखने से मुनष्य स्वयं का मित्र बन जाता है, या धैर्य और संयम को त्याग कर स्वयं का शत्रु भी बन जाता है।

मुख्यमंत्री शहर विद्युतीकरण योजना

- **नगर निगम क्षेत्र में अव्यवस्थित व असुरक्षित विद्युत लाईनों एवं ट्रांसफार्मर को उपयुक्त स्थान पर शिफ्ट करना तथा ओव्हरलोड लाईन को अण्डर-ग्राऊण्ड केबल में बदलना आदि**
- **वर्ष 2019-20 के लिए 35 करोड़ के अनुदान का प्रावधान**

132 के.व्ही. उपकेन्द्र कोनी में वृक्षारोपण

बिलासपुर में 132 के.व्ही. उपकेन्द्र कोनी में मुख्य अभियंता श्री ए.के.श्रीवास्तव के निर्देशन में गुरू पूर्णिमा के शुभ अवसर पर 16 जुलाई को बड़े पैमाने पर पौधारोपण किया गया। लगभग 200 फलदार एवं छायादार वृक्षों का रोपण कार्यक्रम में मुख्य अभियंता श्री श्रीवास्तव सहित वन विभाग डीएफओ, अधीक्षण अभियंता क्रमशः श्रीमती मधु मिंज, श्रीमती निवेदिता जायसवाल, श्रीमती कल्पना घाटे, श्री व्ही.के. दीक्षित, कार्यपालन अभियंता श्री एम.बी. यादव, प्रशासनिक अधिकारी श्री बालकृष्ण पाठक, सहायक अभियंता श्री मो. सपथ, श्रीमती ईश्वरी बरगोती, श्रीमती शिखा सिंह, आरती कुजूर, श्रद्धा कश्यप एवं समस्त सुपरवाइजर व तकनकी कर्मचारियों ने अपनी सक्रिय भागीदारी दी।

एचटीपीएस में कर्मचारियों की भावभीनी विदाई

कोरबा पश्चिम से अगस्त-सितम्बर माह में सेवानिवृत्त हुए सर्वश्री बिहारी लाल सिदार, सुनील कुमार जैन, गुरमीत सिंह भट्टी, ओस्कर लकड़ा, श्याम लाल काछी, सुंदर लाल सरोज, अल्सू राम, डेरहा लाल ध्रुव एवं भुवन लाल साहू, गणेश कुमार कश्यप एवं परमेश्वर सिंह को भावभीनी विदाई दी गई। मुख्य अभियंता पीपी मोडक समेत विशिष्ट अतिथि अतिरिक्त मुख्य अभियंता पंकज कोले, संदीप श्रीवास्तव ने सेवानिवृत्त हो रहे कर्मचारियों को स्मृति चिह्न व प्रशस्ति प्रमाण-पत्र भेंट किया। साथ ही उनके उज्जवल व सुखमय जीवन की कामना की। कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ कल्याण अधिकारी पीआर खूंटे द्वारा किया गया।

दुर्ग में ईआईटीसी से संबंधित समस्याओं के लिए कार्यशाला का आयोजन

दुर्ग क्षेत्रीय मुख्यालय में 19 सितंबर को ईआईटीसी से संबंधित समस्याओं के निराकरण के लिए सहायक अभियंता एवं उनके अधीनस्थ कर्मचारियों हेतु एकदिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में ई.आई.टी.सी. (ऊर्जा सूचना एवं प्रौद्योगिकी केंद्र), रायपुर के कार्यपालन अभियंता श्रीमती तृप्ति चांदे एवं मैनेजर श्रीमती ऐश्वर्या सोनी अपनी टीम के साथ नए कनेक्शन देने एवं बिलिंग संबंधी समस्याओं के निराकरण के विषय में चर्चा की।

बिलिंग एवं न्यू सर्विस कनेक्शन के विषय में विस्तार से चर्चा करते हुए सैप सिस्टम में न्यू सर्विस कनेक्शन की संपूर्ण प्रक्रिया के विषय में बताया गया। कार्यशाला में प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कार्यपालक निदेशक श्री अशोक कुमार ने निर्देशित किया कि ई.आई.टी.सी. से संबंधित समस्याओं के निराकरण हेतु अपने वृत्त के ई.आई.टी.सी. इंचार्ज से संपर्क करें तथा उपभोक्ताओं को कम से कम दस्तावेजों से नये विद्युत कनेक्शन प्रदान करें। कार्यशाला में अतिरिक्त मुख्य अभियंता श्री एम.जामुलकर, अधीक्षण अभियंता श्री व्ही.आर.मौर्या सहित अन्य अभियंतागण उपस्थित थे।

उपभोक्ता सेवाएं

- नए कनेक्शन हेतु आवेदन
- पुराने कनेक्शन में टैरिफ परिवर्तन, नाम परिवर्तन, भार परिवर्तन हेतु आवेदन
- बिजली बिल का भुगतान
- पिछले 2 वर्ष के बिजली बिल एवं भुगतान की जानकारी
- डुप्लीकेट बिल
- टैरिफ संबंधी जानकारी
- विद्युत संबंधी सभी सुविधाओं का लाभ एवं समस्याओं का निराकरण
- निकटतम भुगतान केंद्रों की जानकारी

दुर्ग क्षेत्र में सेवानिवृत्तजनों की भावभीनी विदाई

दुर्ग क्षेत्र से माह सितंबर में सेवानिवृत हुए अधिकारियों-कर्मचारियों सर्वश्री श्याम सुन्दर राव, राम अवतार यादव, दुखु राम साहू, सोहन कुमार वर्मा, रामजी साहू, अनूप सिंह यादव, नंद किशोर बंछोर, भगवती लाल आडिल, नेतराम साहू, मनीराम यादव एवं भृत्य श्री नरेश कुमार वर्मा को सेवानिवृत्ति पर सम्मानित कर भावभीनी विदाई दी गई। कार्यक्रम में अतिरिक्त मुख्य अभियंता श्री एम.जामुलकर ने सेवानिवृत्तजनों की सेवाओं को कंपनी हित में बहुमूल्य बताते हुए उनके सपरिवार सुखमय जीवन की कामना की। कार्यक्रम में वरिष्ठ लेखाधिकारी श्री वाय.कोसरिया, कार्यपालन अभियंता श्रीमती सनीली चौहान सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित हुए। कार्यक्रम का संचालन कल्याण अधिकारी श्री दीनानाथ वर्मा एवं आभार प्रदर्शन वरिष्ठ शीघ्रलेखक श्री बी.एस.राजपूत द्वारा किया गया।

आत्मनिरीक्षण करें...

मानव जीवन में मौन का भी महत्वपूर्ण स्थान है। सुखी जीवन जीने के लिए कुछ पल मौन रहकर एकांत में आत्मनिरीक्षण करें। यह विचार आचार्य चाणक्य के हैं। वे कहते है। कि समय मनुष्य के जीवन में बहुत अधिक महत्व रखता है। समय का सदुपयोग जहां सफलता को सुनिश्चित करता है वहीं इसका दुरूपयोग असफलता की ओर ले जाता है। समय रहते जो व्यक्ति अपनी कमजोरियों को पहचानने और स्वीकार करने का गुण रखता है समय सदैव उसकी कद्र करता है। आचार्य चाणक्य जीवन में सुखी, सफल और लोकप्रिय बनने के लिये कहते हैं कि- सदा मुस्कुराते रहें, आशावादी बने रहें। कर्म करें, अंहकार त्यागें, किसी से मुफ्त कोई उपहार न लें। संसार को बदलने के बजाय स्वयं को बदलें, संसार अपने आप बदल जायेगा। भूत के बारे में पछतावा और भविष्य को लेकर अनावश्यक चिन्ता व्यक्ति के लिये हानिकारक है। विवेकवान व्यक्ति वही है जो वर्तमान में जीता है।

प्रदेश में दीपोत्सव पर बढ़ी विद्युत की मांग को पूरा करने सफल रही पॉवर कंपनी

दीपावली पर विद्युत चलित उपकरणों के अधिकाधिक इस्तेमाल से विद्युत खपत में हुई वृद्धि की आपूर्ति निर्बाध रूप से करने में पॉवर कंपनी को बड़ी कामयाबी दीपोत्सव पर मिली। पांच दिनों तक चलने वाले इस महापर्व के दौरान प्रदेश में विद्युत की भरपूर उपलब्धता बनी रहे इसका पूर्व आंकलन कर कंपनी प्रबंधन द्वारा पर्याप्त विद्युत की उपलब्धता सुनिश्चित कर ली गई थी। उपभोक्ताओं को निर्बाध विद्युत आपूर्ति करने हेतु बनाई गई कार्ययोजना का जायजा लेने कंपनीज अध्यक्ष श्री शैलेन्द्र शुक्ला ने रायपुर शहर की विद्युत व्यवस्था का औचक्क निरीक्षण भी किया। उन्होंने उपकेन्द्रों, शिकायत केन्द्रों में तैनात अमले की सराहना करते हुये समुचित दिशा निर्देश दिये। कंपनी मुख्यालय से चेयरमेन श्री शैलेन्द्र शुक्ला सहित अन्य उच्चाधिकारियों द्वारा प्रदेश की विद्युत स्थिति की सतत् निगरानी की गई। दीपोत्सव के दौरान 2800 मेगावॉट से 3400 मेगावॉट विद्युत की मांग दर्ज हुई। इसके एवज में 3500 मेगावॉट विद्युत की उपलब्धता बनी रही। प्रदेश के क्षेत्रीय मुख्यालयों जगदलपुर, अंबिकापुर, राजनांदगांव, दुर्ग, बिलासपुर, कोरबा, रायगढ़ एवं रायपुर से मिले रिपोर्ट के मुताबिक विद्युत व्यवस्था सुदृढ़ बनी रही। भरपूर बिजली की उपलब्धता, पुख्ता सुरक्षा व्यवस्था तथा विद्युत उपकरणों से सुसज्जित गैंग की तैनाती की वजह से दीपावली पर कहीं भी विद्युत व्यवधान अथवा विद्युत दुर्घटना की स्थिति निर्मित नहीं हुई। राज्य सरकार द्वारा प्रदेश में पहली बार आरंभ की गई हाफ रेट पर बिजली भुगतान की योजना का निम्न एवं मध्यम वर्गीय घरेलू उपभोक्ताओं ने विद्युत चलित उपकरणों का पर्याप्त उपयोग कर भरपूर लाभ उठाया।

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड की उपलब्धि

दिनांक 30.09.2019 स्थिति में

क्र.	विवरण	इकाई	राज्य गठन के समय दिनांक 01.12.2000 की स्थिति में	दिनांक 01.12.2003 की स्थिति में	दिनांक 31.03.2019 स्थिति में	दिनांक 30.09.2019 स्थिति में	दिनांक 1.12.2000 से 30.09.2019 की स्थिति में वृद्धि/कमी प्रतिशत में
1	ग्राम विद्युतीकरण (जनगणना 2011 के अनुसार कुल 19567 ग्राम)	संख्या	17108	17229	19567	19567	14.37%
2	पम्पों का विद्युतीकरण (आर-15 जुलाई 19) के अनुसार	संख्या	72400	96265	424786	432316	497.12%
3	बी.पी.एल कनेक्शन (आर-15 जुलाई 19) के अनुसार	संख्या	630389	689990	1951850	1977840	213.75%
4	33 के. व्ही. लाईन (किलोमीटर)	कि.मी.	6988	8692	22045	22277	218.79%
5	33/11 के. व्ही. उपकेन्द्र	संख्या	248	366	1242	1267	410.89%
	33/11 के. व्ही. उपकेन्द्र की क्षमता	एमव्हीए	1033	1526	7408	7486	624.69%
6	11 के. व्ही. लाईन (किलोमीटर)	कि.मी.	40556	43908	111742	112075	176.35%
7	11/0.4 के. व्ही. उपकेन्द्र	संख्या	29692	35240	167949	172232	480.06%
	11/0.4 के. व्ही. उपकेन्द्र की क्षमता	एमव्हीए	1951	2240	12161	12210	525.83%
8	निम्नदाब लाईन (किलोमीटर)	कि.मी.	51314	53941	190399	190762	271.75%
9	विद्युत उपभोक्ता						
	(i) निम्नदाब (आर-15 माह जुलाई 19 के अनुसार)	संख्या	1891528	2043622	5610512	5687888	200.70%
	(ii) उच्चदाब	संख्या	530	579	2931	2991	464.34%
	कुल विद्युत उपभोक्ता	**संख्या**	**1892058**	**2044201**	**5613443**	**5690879**	**200.78%**
10	प्रति उपभोक्ता विद्युत खपत (2014-15 के अनुसार)	केडब्लूएच	300	500		1724	474.67%
11	अधिकतम मांग	मेगावॉट	1334	1562	4640	4760	256.82%

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर जनरेशन कंपनी लिमिटेड में विद्युत गृह स्थापित

क्र.	स्थापित विद्युत गृह	कुल स्थापित क्षमता	स्थापना वर्ष
	ताप विद्युत गृह		
1	विद्युत गृह क्र.-तीन, कोरबा पूर्व	2x120 मेगावॉट	1976/1981
2	डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ताप विद्युत गृह कोरबा पूर्व	2x250 मेगावॉट	2007/2008
3	हसदेव ताप विद्युत कोरबा पश्चिम	4x210 मेगावॉट	1983/1984/1985/1986
4	कोरबा पश्चिम विस्तार योजना	1x500 मेगावॉट	2013
5	ताप विद्युत परियोजना, मड़वा	2x500 मेगावॉट	31.03.2016/31.07.2016
	जल विद्युत गृह		
1	मिनीमाता-हसदेव बांगो	3x40 मेगावॉट	1994
2	जल विद्युत गृह-गंगरेल	4x2.5 मेगावॉट	2004
3	जल विद्युत गृह-सिकासार लघु/लघुतम जल विद्युत	2x3.5 मेगावॉट	2006
4	कोरबा पश्चिम लघु/लघुतम जल विद्युत	2x0.085 मेगावॉट	2003/2007
	अन्य विद्युत गृह		
1	भोरमदेव सह-उत्पादन, कवर्धा	1x6 मेगावॉट	2006
	कुल स्थापित क्षमता	3224.70 मेगावॉट	

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी लिमिटेड की उपलब्धि

दिनांक 30.09.2019 स्थिति में

क्र.	विवरण	इकाई	राज्य गठन के समय दिनांक 01.12.2000 की स्थिति में	दिनांक 01.12.2003 की स्थिति में	दिनांक 31.03.2019 स्थिति में	दिनांक 30.09.2019 स्थिति में	दिनांक 1.12.2000 से 30.09.2019 की स्थिति में वृद्धि/कमी प्रतिशत में
अ	**अति उच्चदाब उपकेन्द्र**						
1	400 केव्ही उपकेन्द्र	संख्या	1	1	3	3	200.00%
2	क्षमता	एमव्हीए	945	945	2205	2205	133.33%
3	220 केव्ही उपकेन्द्र	संख्या	5	6	23	25	400.00%
4	क्षमता	एमव्हीए	1350	1450	7790	8625	538.89%
5	132 केव्ही उपकेन्द्र	संख्या	20	28	92	92	360.00%
6	क्षमता	एमव्हीए	1257	1752	8069	8169	549.88%
ब	**अति उच्चदाब लाईन**						
7	400 केव्ही लाईन	किलोमीटर	277.00	277	1915.52	1915.52	591.52%
8	220 केव्ही लाईन	किलोमीटर	1594.30	1602.69	3727.022	3950.54	147.79%
9	132 केव्ही लाईन	किलोमीटर	2974.16	3128.96	6657.188	6703.12	125.38%

कार्यपालक निदेशक श्री जगबंधु सिंह नेताम

छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के कार्यालय निदेशक (जगदलपुर क्षेत्र) श्री जगबंधु सिंह नेताम का जन्म 18 जून, 1964 को कोंडागांव जिले के बनियागांव में हुआ। अपनी जीवनयात्रा में अनवरत प्रगति के पथ पर बढ़ने की प्रेरणा आपको आपकी माता स्व. श्रीमती पंडरीबाई तथा पिता स्व.श्री चैतूराम नेताम से मिली। भानुप्रतापपुर जिले से वर्ष 1982 में हायर सेकेण्डरी की परीक्षा उत्तीर्ण करने उपरांत वर्ष 1983 में बीएससी स्नातक की उपाधि साइंस कालेज जगदलपुर से प्राप्त की। आपने अपनी शैक्षणिक योग्यता को बढ़ाते हुए वर्ष 1991 में बीई (इलेक्ट्रीकल) की उपाधि शासकीय अभियांत्रिकी महाविद्यालय रायपुर से प्राप्त की।

शिक्षा की पूर्णता के उपरान्त आपने अपने कैरियर की शुरुआत वर्ष 1992 में देश की महारत्न कंपनी का दर्जा प्राप्त स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड के बोकारो स्टील प्लांट से की। आगे वर्ष 1993 में आपको छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत मण्डल से जुड़ने का अवसर प्राप्त हुआ। आपको सहायक अभियंता प्रशिक्षु के पद पर दंतेवाड़ा में पदस्थापना मिली। आगे आप सहायक अभियंता के नियमित पद पर कटनी, नरसिंहपुर, गाडरवारा, कांकेर में भी पदस्थ रहे और इन क्षेत्रों के विद्युत विकास कार्यों में महती भूमिका का निवर्हन किया।

सेवायात्रा में आगे बढ़ते हुए वर्ष 2005 में आपको कार्यपालन अभियंता के पद पर पदोन्नति प्राप्त हुई और आपने कार्यालय मुख्य सतर्कता अधिकारी रायपुर में सेवायें दी। वर्ष 2010 में अधीक्षण अभियंता के पद पर पदोन्नति प्राप्त हुई एवं वर्ष 2010 से 2015 तक इस पद पर कार्यरत रहते हुए कार्यालय मुख्य सतर्कता अधिकारी रायपुर एवं कार्यालय मुख्य अभियंता (संचारण-संधारण) रायपुर में अपनी सेवाएं दीं। विभिन्न पदों पर मिली जिम्मेदारियों का निवर्हन करते हुये आप सेवायात्रा में अनवरत् आगे बढ़ते रहे और वर्ष 2015 में आपको अतिरिक्त मुख्य अभियंता के पद पर पदोन्नति मिली और आपकी पदस्थापना मुख्य अभियंता रायपुर क्षेत्र में की गई।

आपकी कार्यकुशलता का मूल्यांकन करते हुए पॉवर कंपनी द्वारा जनवरी वर्ष 2016 में आपको मुख्य अभियंता के पद पर पदोन्नति दी गई और जगदलपुर क्षेत्र का कार्यभार सौंपा गया। इसी क्रम में आगे बढ़ते हुये दिसम्बर वर्ष 2016 में ही आपको कार्यपालक निदेशक के शीर्ष पद पर पदोन्नति प्राप्त हुई। इस पद पर आपने कंपनी मुख्यालय रायपुर में कार्यपालक निदेशक (संचा-संधा) के दायित्वों का भी कुशलतापूर्वक निवर्हन किया। आगे आपका स्थानांतरण जगदलपुर क्षेत्र में हुआ और वर्तमान में आप आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र जगदलपुर के विद्युत विकास कार्यों का निष्पादन कर रहे हैं। कार्यों के अलावा आपकी विशेष अभिरूचि हॉकी, वालीबॉल खेल के प्रति भी है।

केन्द्रीय प्रशिक्षण संस्थान गुढ़ियारी में विदाई समारोह

केन्द्रीय प्रशिक्षण संस्थान गुढ़ियारी से माह अक्टूबर 2019 में सेवानिवृत्त हुये कार्यपालन अभियंता श्री ए.के. सोनी को भावभीनी विदाई दी गई। विदाई समारोह में मुख्य अभियंता श्री एन.डब्लू. हेनरी ने स्मृति चिन्ह, शॉल, श्रीफल एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर उनके सपरिवार उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनायें दीं। समारोह में अधीक्षण अभियंता श्रीमती मधुलिका मिंज ने श्री सोनी जी की सेवायात्रा पर प्रकाष डाला। कार्यक्रम का संयोजन श्री मुकेष कुमार साहू एवं संचालन श्री पी.बी.बंजारे द्वारा किया गया।

विदा लेते अभियंता के सुखमय जीवन की कामना करते हुये पूर्व मुख्य अभियंता श्री आर.बी.त्रिपाठी, पी.एस.एस.सी. के कोआर्डिनेटर श्री अरूण भटनागर, मुख्य अभियंता श्री ए.के. तिर्की सहित अन्य अधिकारियों ने पुष्पगुच्छ से स्वागत कर अभिनंदन किया।

मैं हूं हिन्द की नारी

मैं हूं हिन्द की नारी
ना अबला हूं, ना बेचारी
मैं हूं हिन्द की नारी
फूल नही, हूं चिंगारी
मैं हूं हिन्द की नारी
शहीद हो गया इक लाल तो क्या
दूजे को जंग में भेजने की तैयारी
अपने आंसुओं को पीकर
ये जंग रहेगी जारी
मैं हूं हिन्द की नारी
हर मुश्किल में कामयाब
मेरा कोई ना जवाब
नासा-मंगल की कल्पना हूं
शिक्षा की वारिस मलाला हूँ
मैं नीरजा - मैरी जैसी हूं भारी
मैं हूं हिन्द की नारी
झगड़े-टंटे को नाहक
मेरे भाई क्यूं देते हो तूल
स्वारथ के धृतराष्ट्रों का
होता नही कोई उसूल
केवल अपने लहु से हूं हारी
मैं हूं हिन्द की नारी
पढ़े-लिखे ही भोंकते है
मां भारती के सीने में खंजर
ऐसे कायर नस्लों से तो अच्छा
मेरी कोख ही हो जाती बंजर
ऐसे कृतघ्नों से हूं शर्मशारी
मैं हूं हिन्द की नारी
पूरी शिद्दत से संभालती
घर से संसद की जवाबदारी
हमें चाहिये बस
हक-इन्साफ-भागीदारी
तन-मन-धन से निभाती
जीवन की हर पारी
मैं हूं हिन्द की नारी

अजय कुमार साहू
निज सहायक, कार्यालय कार्यपालक निदेशक (उत्पादन)
अटल बिहारी वाजपेयी ताप विद्युत गृह

हमारे गौरव

वीरेन्द्र कुमार पाठक

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर होल्डिंग कंपनी के मुख्य सतर्कता अधिकारी कार्यालय में कार्यरत श्री वीरेन्द्र कुमार पाठक, कनिष्ठ शीघ्रलेखक ने कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय रायपुर से पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन जर्नलिज्म की परीक्षा वर्ष 2019 में 67.90 अर्जित कर पॉवर कंपनी के नाम को गौरवान्वित किया। बधाई...

राजेन्द्र कुमार दुरूगकर

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर होल्डिंग कंपनी के कार्यपालक निदेशक (वित्त) कार्यालय में कार्यरत वरिष्ठ शीघ्रलेखक श्री राजेन्द्र कुमार दुरूगकर को अंतरराष्ट्रीय पॉवर लिफ्टिंग प्रतियोगिता में गोल्ड मेडल प्राप्त करने पर छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस स्पोर्ट सेल द्वारा शहीद विद्याचरण शुक्ल स्पोर्ट अवार्ड से सम्मानित किया गया। बधाई...

लखपति सिन्दूर

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर होल्डिंग कंपनी के अतिरिक्त मुख्य चिकित्सा अधिकारी, औषधालय में कार्यरत श्री लखपति सिन्दूर को अंतरराष्ट्रीय पॉवर लिफ्टिंग प्रतियोगिता में कांस्य पदक प्राप्त करने पर छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस स्पोर्ट सेल द्वारा शहीद विद्याचरण शुक्ल स्पोर्ट अवार्ड से सम्मानित किया गया। बधाई...

कु. आशना दिल्लीवार

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी में कार्यरत श्रीमती संध्या दिल्लीवार, कार्यपालन अभियंता एवं श्री कमलेश दिल्लीवार (संयुक्त निदेशक, छ.ग.रा.वि.नि.आ.) की सुपुत्री कु. आशना दिल्लीवार ने भिलाई में आयोजित ऑल इंडिया डांस एसोसिएशन 2019 में सबजूनियर वर्ग में कथक के एकल नृत्य में द्वितीय स्थान प्राप्त कर पॉवर कंपनी के नाम को गौरवान्वित किया। बधाई...

माटी के दीया ले झन दूरिहा

छत्तीसगढ़ के इतिहास में पहली बार किसी सरकार के द्वारा मिट्टी के दीये को उपयोग में लाने के लिए प्रोत्साहित करने की कारगर पहल की गई है। कुम्हार एवं अन्य ग्रामीणों द्वारा बनाये गये मिट्टी के दीये के विक्रय हेतु सम्पूर्ण सुविधा दिये जाने के साथ ही किसी प्रकार की कर की वसूली नहीं किये जाने के निर्देश जारी किये गये हैं। 'बहुजन हिताय, बहुजन सुखाय' को साकार करने की दृष्टि से सरकार का यह फैसला ऐतिहासिक और नमन योग्य है। सृष्टि में जितने भी प्राणी हैं उन सभी का प्रत्यक्ष संबंध हवा, पानी की तरह मिट्टी से जुड़ा हुआ है।

जन्म से लेकर मृत्युपर्यन्त मिट्टी से निर्मित वस्तुओं को मनुष्य अपनी दैनिक दिनचर्या में शामिल करता है। मिट्टी के घड़े और सुराही के सामने नवीनतम तकनीक से युक्त फ्रीज का दर्जा सदैव नीचे ही दिखाई देता है। यही वजह है कि ग्रीष्मकाल के आते ही मिट्टी से निर्मित मटकों की मांग बढ़ जाती है ठीक उसी तरह जैसे कि दीपोत्सव पर्व में मिट्टी से निर्मित दीये की पूछ-परख बढ़ जाती है।

मिट्टी के दीये बनाने का काम करने वाले समाज के लोग कुम्हार और कुम्भकार कहलाते हैं। आटे की भांति मिट्टी को गूंथना और गुंथी हुई मिट्टी से चुटकी बजाते विविध वस्तुओं का निर्माण कर देना इनके बांये हाथ का खेल है। यद्यपि बदलते हुए वक्त की चपेट में कुम्हार समाज और मिट्टी की कला भी गुम होती नजर आती है। यह कुम्हार समाज के साथ ही अन्य सभी गुणीजनों के लिए चिन्ता का विषय है। दरअसल कुम्हार का मिट्टी से दूर होना भारतीय परम्परा, संस्कृति और पर्वों से बढ़ती दूरियों का सूचक है।

मिट्टी का दीया मनुष्य को मिट्टी से जुड़े रहने के लिए प्रेरित करता है, किन्तु नये जमाने के रंग में रंगे लोग अपनी पुरानी परम्पराओं, रीति-रिवाजों से दिन-ब-दिन दूरियां बढ़ाते हुए नीरसता और एकाकीपन के मकड़जाल में फंसते जा रहे हैं। ऐसे समय में मिट्टी के दीये और विद्युत चलित बल्बों से निर्मित झालर के बीच दीपावली की रात हो रहे संवाद का स्मरण आता है जो कि कुछ इस तरह हैं- 'दीपावली की रात अपनी खूबसूरती की अकड़ दिखाते हुए झालर ने दीये से कहा- अरे मिट्टी का दीया आज के जमाने में तेरी पूछ-परख नाममात्र को रह गई है। गांव-गली सहित शहरों-महलों में मैं ही सुशोभित होता हूं।

आईना बोलता है

झालर की ऐसी अकड़ भरी बात सुनकर मिट्टी का दीया हल्की सी मुस्कान चेहरे पर लाते हुए बोला- झालर भाई, अकड़ को इतना पकड़ के मत रखो। इतिहास बताता है कि अकड़ ने जिसे जकड़ा, उसका अंत बहुत ही बुरा हुआ है। वैसे भी इस बात को मत भूलो कि पूजा के समय, पूजा की थाली में ईश्वर के चरणों में तुम्हे नहीं मुझ मिट्टी के दीये को ही जगह मिलती है।

दीये की बात को व्यंग भरे अट्टहास से परे झटकते हुए झालर फिर गरजा - कहां पूजा की एक छोटी सी थाली और कहां गगनछूती इमारतों की छतें । मेरे पसरते पांव को तुम जैसे तुच्छ दीये भला कैसे रोक पायेंगे ? झालर की बातों को सुन कर बड़ी शालीनता के साथ मिट्टी के दीये ने कहा - बंधु, दुनिया में झूठी शान, घमंड और अहंकार में जीने वालों का विनाश ही हुआ है। हमारे वेद-पुराण और बुजुर्गों ने भी बताया है कि **''अहंकार में तीन गये धन, वैभव और वंश, न मानो तो देख लो कौरव, रावण और कंस।''**

मिट्टी के दीये और झालर के बीच का यह संवाद झूठे शान में जीते मानव समुदाय के गालों पर एक करारा तमाचा है। कार्तिक अमावस्या की रात के घुप्प अंधकार को चीरने और उजाला फैलाने का काम बेधड़क मिट्टी का दिया करता है। अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन संदेश देता है कि **-मुनष्य का बनाया 'मिट्टी का दिया सारी रात अंधेरे से लड़ता है, हे मनुष्य तू तो ईश्वर का बनाया हुआ है, तू किस बात से डरता है।'**

विजय मिश्रा
संपादक

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर होल्डिंग कंपनी मर्यादित डंगनिया, रायपुर

फोन : 0771-2574702, फैक्स : 0771-2574702 | website : www.cspc.co.in

प्रिंटिक स्कैनर मिश्राबाड़ा, तात्यापारा, रायपुर 88899 14459

प्रमाणित किया जाता है कि पत्रिका के मेक मुद्रण/प्रकाशन आदि गुणवत्ता एवं पत्रिका के अंदर के पृष्ठों में 90 जीएसएम आर्ट पेपर (सिनारमास) और कवर पृष्ठों में 220 जीएसएम आर्ट पेपर (सिनारमास) का उपयोग किया गया है - मुद्रक